■ भाद्रपद कृष्ण - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 52 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 13-09-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

भारतीय रिज़र्व बैंक
आर बी - आय ओ एस
RB - IOS
RESERVE BANK OF INDIA

G20
भारत 2023 INDIA

रिज़र्व बैंक -
एकीकृत लोकपाल
योजना

शिकायत दर्ज करने के लिए
https://cms.rbi.org.in
पर जाएँ

आरबीआई विनियमित संस्थाओं के
विरुद्ध शिकायतों के निवारण के लिए एकल सुविधा

30 दिनों के भीतर शिकायतों का निवारण न होने या आरबीआई द्वारा विनियमित बैंकों/एनबीएफ़सी/क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनियों/पेमेन्ट प्रणाली प्रतिभागियों द्वारा संतोषजनक निवारण न होने पर, आप उनकी शिकायत आरबीआई लोकपाल के समक्ष दर्ज कर सकते हैं

ऑनलाइन https://cms.rbi.org.in पर या डाक द्वारा केंद्रीकृत प्राप्ति और प्रसंस्करण केंद्र, भारतीय रिज़र्व बैंक, चंडीगढ़ – 160017 पर शिकायत दर्ज़ करें

अपवर्जन सूची में उल्लिखित सेवाओं को छोड़कर, अन्य सेवाओं में कमियों से संबंधित सभी शिकायतें शामिल हैं

अपनी शिकायत की वास्तविक स्थिति को शिकायत प्रबंधन प्रणाली (https://cms.rbi.org.in) पर देखें

अधिक जानकारी के लिए **14448** पर कॉल करें.

समय: कार्यदिवसों पर, राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर:

- हिंदी और अंग्रेजी के लिए सुबह 8:00 बजे से रात 10:00 बजे तक
- 10 क्षेत्रीय भाषाओं (असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, ओडिया, पंजाबी, तेलुगु और तमिल) के लिए सुबह 9:30 बजे से शाम 5:15 बजे तक

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

अधिक जानकारी के लिए, **https://rbikehtahai.rbi.org.in/** पर जाएं
फ़ीडबैक देने के लिए, **rbikehtahai@rbi.org.in** को लिखें

समय को सुधारने के लिए आते हैं पर्व : साध्वी प्रियश्रेयांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रीतिसुधाश्रीजी, प्रियश्रेयान्जनाश्रीजी, प्रियमंत्रान्जनाश्रीजी की निश्रा में पर्युषण महापर्व की आराधना प्रारंभ हुई। साध्वीश्री प्रियश्रेयान्जनाश्रीजी ने कहा कि कल्याणकारी पर्युषण महापर्व का सूर्योदय हुआ है, हर साधक और आराधक हर्षित हुआ है। तीर्थ यात्रा जाना हो तो चल के जाना पड़ता है, पर पर्व हमारे सामने स्वयं चलकर हमारे द्वार आते है। तीर्थ और पर्व दोनों तारक हैं। जो व्यक्ति वर्ष में कभी कही नहीं आता है वह भी इस समय आराधना करने आता है।

कर्म 8 है ,पर्युषण के दिन 8 है ,वैसे ही आठवें नंदीश्वर दीप में देव देवी मिलकर इस समय अठाई महोत्सव करते हैं। जैसे की बच्चा परीक्षा देने के लिए 8 दिन की मेहनत करें तो पास हो सकता है, उसका साल बेकार नहीं जाता है, वैसे ही पर्व के 8 दिन की आराधना सही ढंग से करेंगे तो अपना साल बेकार नहीं जाएगा, व्यर्थ नहीं जाएगा। हर रोज़ आराधना करने वाले सदय्या , भाद्रपद में करने वाले भदय्या और कभी कभी करने वाले कदय्या। पर्व तारने के लिए आते हैं इस समय खुशी से पूजा, भक्ति में झूमते है और पापों के प्रायश्चित के लिए प्रतिक्रमण किया जाता है। संसार के भोग विलास में व्यर्थ हो रहे समय को सुधारने पर्व आता है। गुरुवर्या श्री ने अहिंसा धर्म का पालन और साधर्मिक भक्ति की विवेचना की। सुबह में स्नात्र पूजा, दोपहर में बड़ी पूजा और शाम को भक्ति भावना का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने आए नेताओं को उपहार में हस्तनिर्मित कलाकृतियां उपहार में दी गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने आए दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों और अन्य नेताओं को हस्तनिर्मित कलाकृतियों और उत्पादों के विशेष रूप से तैयार संग्रह उपहार में दिए गए, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाता है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कुछ उपहार देश के कुशल कारीगरों द्वारा सावधानीपूर्वक हाथ से तैयार किए गए थे। उन्होंने कहा कि उपहार में दी गई वस्तुओं में कश्मीर के केसर, पेको दार्जिलिंग और नीलगिरि चाय, अराकू कॉफी, कश्मीरी पश्मीना शॉल, सुंदरबन मल्टीफ्लोरा मैंग्रोव शहद और उत्तर प्रदेश के कन्नौज के जिघराना इत्र शामिल हैं।

राष्ट्रीय राजधानी स्थित प्रगति मैदान के नवनिर्मित भारत मंडपम में नौ से दस सितंबर तक जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ था। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सहित विश्व के कई अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया था। अधिकारियों ने कहा कि भारत सरकार ने विभिन्न देशों से आए नेताओं को हस्तनिर्मित कलाकृतियों और उत्पादों के विशेष रूप से तैयार संग्रह उपहार में दिए, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में बताता है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उन्हें उपहार में दिए गए कुछ उत्पाद सदियों पुरानी परंपरा के हैं और अपनी अद्वितीय कारीगरी और गुणवत्ता के लिए दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं।

विमान की तकनीकी खराबी ठीक होने के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो और प्रतिनिधिमंडल स्वदेश रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और उनका प्रतिनिधिमंडल उनके विमान में आई तकनीकी खराबी ठीक कर दिए जाने के बाद मंगलवार अपराह्न यहां से रवाना हो गए।

शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे ट्रूडो को रविवार को रवाना होना था, लेकिन विमान में तकनीकी समस्या के कारण वह दो दिनों तक फंसे रहे। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि विमान ने आज अपराह्न करीब एक बजकर 10 मिनट पर उड़ान भरी। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ट्रूडो को विदा करने के लिए हवाईअड्डे पर मौजूद थे। मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और सरकार में मेरे सहयोगियों की ओर से, मैं कनाडा के माननीय प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को जी20 शिखर सम्मेलन में उनकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद देने के वास्ते आज हवाई अड्डे पर था और उन्हें तथा उनके प्रतिनिधिमंडल को सुरक्षित घर वापसी की शुभकामनाएं दीं।

उद्यमिता, कौशल विकास, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने ट्रूडो के साथ अपनी एक तस्वीर भी साझा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि विमान को उड़ान भरने की मंजूरी दे दी गई है।

'मोक्ष प्राप्ति का सरल साधन है साधर्मिक भक्ति'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी की निश्रा में चल रहे पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस पर साध्वी गोयमरत्नाश्रीजी ने कहा कि श्रावक को पर्युषण महापर्व के आवश्यक कर्तव्यों को पूरा करना चाहिए, जिसमें प्रथम कर्तव्य अमारी अर्थात अहिंसा है। अहिंसा प्राणी मात्र पर दया व अभयदान सहित अपनी आत्मा पर जमे हुए कषायों को भी समाप्त करना है इसलिए हमें हमारे हृदय में प्राणी मात्र के लिए दयाभाव रखना चाहिए। द्वितीय कर्तव्य साधर्मिक भक्ति होता है जिसमें विशेष रूप से अहिंसा धर्म का पालन करने वाले साधर्मिकों का जीवन स्तर ऊंचा उठाना होता है। उन्होंने कहा कि संसार में साधर्मिक भक्ति से बढ़ा कोई दूसरा परोपकार नहीं है। व्यक्ति को अपने मानवीय स्वभाव में साधर्मिक भक्ति के पुण्यशाली भाव को ढाल लेना चाहिए, क्योंकि यही मोक्ष का सरल साधन भी है। यह जानकारी जयंतिलाल श्री श्रीमाल ने दी।

नगालैंड विधानसभा ने यूसीसी से छूट के लिए प्रस्ताव पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड विधानसभा ने मंगलवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर राज्य को प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के दायरे से अलग रखे जाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने सदन के मानसून सत्र के दूसरे दिन यह प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा, नगालैंड सरकार और नगा लोगों का मानना है कि यूसीसी से नगा लोगों के रस्मी कानूनों, सामाजिक प्रथाओं और उनकी धार्मिक प्रथाओं के लिए खतरा पैदा होगा।

उन्होंने कहा कि यूसीसी का स्पष्ट उद्देश्य विवाह और तलाक, अभिरक्षा और अभिभावकत्व जैसे व्यक्तिगत मामलों के संबंध में एक समान कानून बनाना है। रियो ने कहा कि नगालैंड सरकार ने मंत्रिमंडल के एक निर्णय के माध्यम से चार जुलाई को संबंधित आयोग को इस विषय पर अपने विचार से अवगत कराया और स्वतंत्रता-पूर्व ब्रिटिश काल के बाद से नगालैंड के 'अद्वितीय इतिहास' के आधार पर अपना विरोध व्यक्त किया।

उन्होंने यह भी जिक्र किया कि यूसीसी विषय पर चर्चा के लिए एक सितंबर को राज्य सरकार द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ आयोजित बैठक में कई जनजातीय संगठनों और नागरिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने यूसीसी के संबंध में अपनी नाराजगी और आपत्ति व्यक्त की थी।

मणिपुर: 23 भाजपा विधायकों ने राज्य की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा का संकल्प लिया

इंफाल/भाषा। मणिपुर में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 23 विधायकों ने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए है, जिसमें हिंसाग्रस्त राज्य की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने का संकल्प लिया गया है।

विधायकों ने यह भी संकल्प लिया कि वे जल्द से जल्द दिल्ली जाएंगे ताकि वर्तमान संकट का जल्द से जल्द समाधान करने के लिए केंद्रीय नेतृत्व को राजी किया जा सके। दिलचस्प बात यह है कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह हस्ताक्षरकर्ताओं में शामिल नहीं हैं।

संकल्प में हस्ताक्षर करने वाले नेताओं ने नवगठित नागरिक समाज संगठन 'यूथ ऑफ मणिपुर'(वाईओएम) के सदस्यों के साथ सोमवार रात मुख्यमंत्री सचिवालय में बैठक के बाद बताया कि कुकी-जो समुदाय की एक अलग प्रशासन की मांग उन्हें स्वीकार्य नहीं है।

प्रस्ताव में कहा गया,''विधानसभा के सभी अधोहस्ताक्षरी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि हम मणिपुर राज्य की क्षेत्रीय अखंडता के लिए खड़े रहेंगे और किसी भी प्रकार के अलग प्रशासन पर सहमत नहीं होंगे।

बंगाल: प्रदर्शनकारी भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री सुभाष सरकार को पार्टी कार्यालय में बंद कर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांकुड़ा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री सुभाष सरकार को पार्टी कार्यालय में बंद कर दिया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार जिला इकाई के संचालन में 'तानाशाही' कर रहे हैं।

शिक्षा राज्य मंत्री एवं बांकुड़ा के सांसद सरकार अपराह्न करीब 1 बजे एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे, तभी भाजपा कार्यकर्ताओं का एक समूह नारे लगाते हुए पार्टी के जिला कार्यालय पहुंचा और उन्हें बंद कर दिया। प्रदर्शनकारियों में से एक मोहित शर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं को महत्व नहीं दे रहे हैं और अपने करीबी लोगों को जिला समिति का सदस्य बना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, हममें से कुछ को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। हम पार्टी को बचाने के लिए विरोध कर रहे हैं। इस बार, उनकी अक्षमता के कारण भाजपा को बांकुड़ा नगरपालिका में एक भी सीट नहीं मिली, जबकि पिछले चुनाव में दो वार्ड में जीत मिली थी। वे पंचायत की कई सीट पर उम्मीदवार नहीं उतार सके। यह शर्म की बात है। अफरा-तफरी के बीच भाजपा कार्यकर्ताओं का एक और समूह मौके पर पहुंच गया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच हाथापाई शुरू हो गई।

चेतना को रूपान्तरित करने का पर्व है पर्युषण : मुनि हिमांशुकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'पर्युषण है चेतना को रूपान्तरित करने का पर्व। चेतना के अनेक पड़ाव हो सकते हैं। हमारी आत्मा कभी कषाय, कभी प्रमाद कभी भोग, कभी कोई और विकृति में संलग्न रहती है । लेकिन हमें अपनी चेतना को स्वस्थ भावों में जोड़ना है और उसका स्वर्णिम अवसर है पर्युषण महापर्व।' यह विचार मुनि हिमांशुकुमारजी ने तेरापंथ भवन गांधीनगर में पर्युषण महापर्व के प्रथम दिन श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महापर्व के अवसर पर श्रमण भगवान महावीर की जीवन गाथा, अध्यात्म यात्रा का श्रवण करते हैं तथा महावीर के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने आचरणों को श्रेष्ठ बनाने का प्रयत्न करना चाहिए। व्यक्ति सद् प्रेरणाओं और सदाचरणों का पालन करते हुए संसार सागर को पार कर लेता है, जिसके लिए जरूरी है कि प्राप्त प्रेरणाओं के अनुसार जीवन शैली का क्रम बने।

मुनिश्री हेमन्तकुमारजी ने बताया कि साधना का पहला कदम है खाद्य-संयम। खाद्य-संयम से ही व्यक्ति शारीरिक-मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को प्राप्त कह सकता है।

स्वस्थ तन-मन-भाव ही साधक को आगे बढ़ाते हैं। मुनि ने सही आहार, सही समय और सही मात्रा की व्याख्या करते हुए कहा कि सात्विक और संतुलित भोजन भी सही समय पर और सही मात्रा में करे तोही स्वास्थ्य को सुरक्षित रखते हुए अपने आपको पूर्णता की ओर आगे बढ़ा सकता है।

संसद कर्मचारियों की नई वर्दी पर सिर्फ 'कमल' क्यों, बाघ और मोर क्यों नहीं: कांग्रेस सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने संसद के कर्मचारियों की नई वर्दी पर कमल के फूल छपे होने से संबंधित खबरों को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसद को एकपक्षीय मंच बना रही है।

लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक टैगोर ने यह सवाल भी किया कि राष्ट्रीय पशु और राष्ट्रीय पक्षी क्रमश: बाघ एवं मोर के बजाय सिर्फ 'कमल' को ही क्यों दर्शाया जा रहा है? उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, सिर्फ कमल ही क्यों? मोर क्यों नहीं या बाघ क्यों नहीं? यह भाजपा पार्टी का चुनाव चिह्न नहीं हैं। ओम बिरला जी, यह गिरावट क्यों?

खबरों में कहा गया है कि संसद के कर्मचारियों के लिए नई वर्दी होगी, जिस पर कमल के फूल अंकित होंगे। टैगोर ने कहा, संसद के कर्मचारियों की वर्दी पर भाजपा का चुनाव चिह्न है...उन्होंने जी20 में भी ऐसा किया था। अब ये लोग फिर से ऐसा कर रहे हैं और कह रहे हैं कि यह राष्ट्रीय फूल है। उन्होंने कहा कि इस तरह का 'ओछापन' ठीक नहीं है और आशा है कि भाजपा इन सबसे ऊपर उठेगी और संसद को एकपक्षीय मंच नहीं बनाएगी। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। संसद सभी पार्टियों से ऊपर है। इससे पता चलता है कि भाजपा हर दूसरी संस्था में हस्तक्षेप कर रही है।

त्रिपुरा भाजपा के तफज्जल हुसैन, बिदू देबनाथ ने विधायक पद की शपथ ली

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के बॉक्सानगर और धनपुर सीटों पर आठ सितंबर को हुए उपचुनाव में जीत दर्ज करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता तफज्जल हुसैन और बिंदू देबनाथ ने मंगलवार को त्रिपुरा विधानसभा सदस्य के रूप में शपथ ली।

विधानसभा अध्यक्ष विश्वबंधु सेन ने मुख्यमंत्री माणिक साहा और मंत्रिमंडल के उनके सहयोगियों की उपस्थिति में दोनों को शपथ दिलाई। इस दौरान विपक्षी दलों के विधायक शपथ ग्रहण समारोह से दूर रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमने बॉक्सानगर और धनपुर में उपचुनाव पुरी ताकत से लड़ा और दोनों सीटों पर व्यापक अंतर से जीत हासिल की। लोगों ने उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवारों को बड़े पैमाने पर वोट दिया है। मेरा मानना है कि नए विधायक लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेंगे।

मंत्रिमंडल विस्तार से जुड़े सवाल पर साहा ने कहा, जब भी हम ऐसा कोई निर्णय लेंगे तो आप सभी को सूचित कर दिया जाएगा।

जश्न — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार रात पटना में एशिया कप क्रिकेट मैच में भारत द्वारा पाकिस्तान को हराने के बाद जश्न मनाते लोग।

टी दासरहल्ली तेरापंथ भवन में पर्युषण पर्व के पहले दिन मनाया खाद्य संयम दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के टी दासरहल्ली स्थित तेरापंथ सभा के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में पर्युषण दिवस के प्रथम दिवस खाद्य संयम दिवस मनाया गया। इस मौके पर पर उपासक भंवरलाल माण्डोत एवं छत्तरसिंह सेठिया ने कहा कि पर्युषण पर्व हमें आध्यात्मिक शांति, समृद्धि और सफलता की ओर ले जाते है। खाने में संयम करना होगा, तभी तो सुखमय जीवन होगा । जीवन को पूरी ऊर्जा एवं उमंग के साथ जीना सफलता के हर बंद द्वार को खोलने का आधार हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में उपासकों ने नमस्कार महामंत्र का पाठ किया। तेरापंथ महिला मंडल द्वारा महावीर अष्टकम से मंगलाचरण एवं खाद्य संयम दिवस पर गीतिका की प्रस्तुति हुई। अध्यक्ष नवरतन गाँधी ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा ट्रस्ट के पदाधिकारीगण, तेरापंथ महिला मण्डल, तेरापंथ युवक परिषद एवं निकटतम क्षेत्रों से अनेक श्रावक-श्रविकाओं की उपस्थिति रही। संचालन सभा मंत्री प्रवीण बोहरा ने किया।

रोहित के वनडे में 10,000 रन पूरे, भारत के छठे और दुनिया के 15वें बल्लेबाज बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। रोहित शर्मा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाले भारत के छठे और दुनिया के 15वें बल्लेबाज बन गए हैं।

भारतीय कप्तान ने श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को एशिया कप सुपर चार मैच में अपना 22वां रन पूरा करते ही यह विशिष्ट उपलब्धि हासिल की। वह तेज गेंदबाज कासुन रजिता पर उनके सिर के ऊपर से छक्का जड़कर इस मुकाम पर पहुंचे। भारत की तरफ से रोहित से पहले सचिन तेंदुलकर (18,426 रन), विराट कोहली (13,024), सौरव गांगुली (11,363), राहुल द्रविड़ (10,889) और महेंद्र सिंह धोनी (10,773) ने वनडे में 10,000 से अधिक रन बनाए थे। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ सोमवार को अपनी 122 रन की पारी के दौरान वनडे में 13,000 रन पूरे किए थे। रोहित का यह 248वां वनडे मैच है और वह 241वीं पारी में 10,000 रन के मुकाम पर पहुंचे। केवल कोहली (205 पारी) ने ही उनसे कम पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। तेंदुलकर 259 पारियों में इस मुकाम पर पहुंचे थे। रोहित दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने 50 ओवरों की क्रिकेट में तीन दोहरे शतक लगाए हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ नवंबर 2014 में कोलकाता में 264 रन की पारी खेली थी जो वनडे में किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च स्कोर है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नवंबर 2013 में 209 रन और श्रीलंका के खिलाफ दिसंबर 2017 में नाबाद 208 रन बनाए थे। उन्होंने अब तक इस प्रारूप में 30 शतक लगाए हैं।

शेयस अय्यर को विश्राम की सलाह, श्रीलंका के खिलाफ मैच से भी बाहर

कोलंबो/भाषा। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज शेयस अय्यर को पीठ में जकड़न के कारण विश्राम करने की सलाह दी गई है और उन्हें श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप सुपर चार के मैच में भी अंतिम एकादश में शामिल नहीं किया गया है।अय्यर पीठ का ऑपरेशन करवाने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। वह पीठ में जकड़न के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भी नहीं खेल पाए थे। लगातार दो मैच से बाहर रहने के कारण विश्वकप से पहले उनकी फिटनेस पर सवालिया निशान लग गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान में कहा, श्रेयस अय्यर अच्छा महसूस कर रहे हैं लेकिन वह पीठ की जकड़न से अभी तक पूरी तरह से नहीं उबर पाए हैं।

ओडिशा: राउरकेला को दुर्गा पूजा से पहले 'रेलवे कोच रेस्तरां मिलेगा

राउरकेला (ओडिशा)/भाषा। प. ओडिशा के राउरकेला शहर के लोगों को जल्द रेलवे कोच पर एक रेस्तरां में भोजन करने का अवसर मिलेगा। अधिकारी ने यह जानकारी दी। राउरकेला रेलवे स्टेशन के प्रबंधक प्रभात दास ने कहा कि रेस्तरां को आम लोगों के लिए दुर्गा पूजा से पहले शुरू किया जाएगा। यह कोलकाता स्थित एक कंपनी की पहल है। रेस्तरां व्यस्त रेलवे स्टेशन के उत्तरी छोर पर दूसरे दरवाजे के पास चालू होगा। दूसरे दरवाजे को इसलिए चुना क्योंकि पहले दरवाजे या मुख्य प्रवेश द्वार से लगे प्लेटफॉर्म संख्या एक पर कई रेस्तरां व भोजनालय हैं। यात्री सत्या ने बताया कि उन्हें खुशी है कि स्टेशन पर ऐसा अनोखा रेस्तरां बनने जा रहा है।

■ भाद्रपद कृष्णा - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 52 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 13-09-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जद (एस) के साथ गठबंधन पर केंद्रीय नेतृत्व करेगा फैसला : येडीयुरप्पा

6 जी-20 समेलन से विश्व बिरादरी में बढ़ी भारत की प्रतिष्ठा

7 300 करोड़ के लब में शामिल हुयी शाहरूख खान की फिल्म जवान

फर्स्ट टेक

मद्रास उच्च न्यायालय में पांच स्थायी न्यायाधीश नियुक्त

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मद्रास उच्च न्यायालय के पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को पदोन्नत कर स्थायी न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया है। केंद्रीय विधि एवं मंत्रालय के न्याय विभाग ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी कर न्यायाधीशों की नियुक्ति की घोषणा की। अधिसूचना के अनुसार, न्यायमूर्ति ए. ए. नक्कीरन, न्यायमूर्ति (सुश्री) निदुमोलू माला, न्यायमूर्ति एस. सौंथर, न्यायमूर्ति सुंदर मोहन और न्यायमूर्ति कबाली कुमारेश बाबू को मद्रास उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के पद से पदोन्नत कर इसी अदालत का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने 31 अगस्त को पांचों अतिरिक्त न्यायाधीशों को न्यायाधीश बनने की सिफारिश की थी।

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन 15 सितम्बर तक

नई दिल्ली/वार्ता। कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान तथा इंजीनियरिंग, सार्वजनिक मामले, नागरिक सेवा, व्यापार और उद्योग आदि जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों के लिए दिये जाने वाले पद्म पुरस्कारों के वास्ते नामांकन या सिफारिशें 15 सितम्बर तक ऑनलाइन की जा सकती हैं। देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में शामिल पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री की शुरुआत वर्ष 1954 में की गयी थी और इनकी घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को छोड़कर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में कार्यरत सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं।

लीबिया में बाढ़ के बाद नौ हजार से अधिक लोग लापता

बेंगाजी/वार्ता/स्पूतनिक। उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया के पूर्वी शहर डर्ना में बाढ़ के बाद नौ हजार से अधिक लोग लापता हैं। रेड क्रिसेंट आंदोलन के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पूर्वी लीबियाई सरकार के प्रधान मंत्री ओसामा हमद सोमवार को कहा था कि डर्ना में बाढ़ से मरने वालों की संख्या दो हजार से अधिक हो गई है। प्रवक्ता ने कहा, हमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। बाढ़ में नौ हजार से अधिक लोगों के लापता होने खबरें हैं। बड़े खोज अभियान की आवश्यकता है।'' वर्ष 2011 के विद्रोह के बाद से, जिसमें लंबे समय तक शासक मोअम्मर गद्दाफी को अपदस्थ कर दिया गया और बाद में उनकी हत्या कर दी गई, लीबिया में केंद्र सरकार का अभाव है और परिणामी अराजकता का मतलब देश की सड़कों और सार्वजनिक सेवाओं में निवेश में कमी और निजी भवन का न्यूनतम विनियमन भी है।

सूर्यास्त 13-09-2023	सूर्योदय 14-09-2023
6:22 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
67,221.13	19,993.20
(+94.05)	(-3.15)

सोना	चांदी
6,161 रु.	73,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बँटी मानवता

हिन्दू, क्रिश्चियन या मुसलमान,
अगड़े-पिछड़े का भेद हुआ।
कोई कुरान बाइबिल वाला,
रामायण, ग्रंथी, वेद हुआ।
बँट गया जातियों में मानव,
अपनी कारा में कैद हुआ।
रिस रही मनुजता की गागर,
उसके तल में अब छेद हुआ।।

कर्नाटक को कावेरी नदी का पानी छोड़ने का आदेश

भाजपा ने कांग्रेस को ठहराया जिम्मेदार

■ **जमीनी वास्तविकता का संज्ञान लेते हुए सीडब्ल्यूआरसी ने डिजिटल बैठक में दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद यह आदेश जारी किया।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। कावेरी जल विनियमन समिति ने मंगलवार को कर्नाटक को अगले 15 दिनों तक तमिलनाडु के लिए प्रत्येक दिन 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया है। जमीनी वास्तविकता का संज्ञान लेते हुए सीडब्ल्यूआरसी ने डिजिटल बैठक में दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद यह आदेश जारी किया। सीडब्ल्यूआरसी ने 28 अगस्त को भी इसी तरह का आदेश जारी किया था, जिसमें कर्नाटक को अगले 15 दिनों तक प्रत्येक दिन तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए कहा गया था।

आखिरकार, कर्नाटक सरकार ने एक अनुपालन रिपोर्ट दायर किया और तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ना शुरू कर दिया। कर्नाटक के मंड्या जिले के किसानों ने इसका विरोध किया और कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ना बंद करने की मांग की। इस आशंका को देखते हुए तमिलनाडु सरकार ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और कर्नाटक को उसके 2018 के आदेश के अनुसार पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की।

इस बीच, भारतीय जनता पार्टी ने कर्नाटक सरकार द्वारा सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने की योजना पर सवाल उठाया है, जबकि इसका समाधान उच्चतम न्यायालय या कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के पास है। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बेंगलूरु में कहा कि कांग्रेस पार्टी राजनीति कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के बजाय, राज्य सरकार को शीर्ष अदालत या सीडब्ल्यूएमए में मजबूत तर्क देना चाहिए क्योकि यह मामला सर्वोच्च न्यायालय द्वारा देखा जा रहा है, न कि केंद्र सरकार द्वारा। बोम्मई ने कहा कि कर्नाटक सरकार के पास दूसरा विकल्प है कि वह अपने गठबंधन में सहयोगी तमिलनाडु की द्रमुम सरकार से बातचीत करे और उसे जमीनी हकीकत से अवगत कराए। उन्होंने कहा कि वे न तो शीर्ष अदालत में मजबूती से अपना तर्क रख रहे हैं और न ही अपने गठबंधन सहयोगी द्रमुक के साथ बातचीत कर रहे हैं।

अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत

कर्नाटक में मंत्री सुधाकर के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री डी. सुधाकर और अन्य के खिलाफ अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। सुधाकर के खिलाफ यह मामला येलहंका में एक विवादित संपत्ति से एक परिवार को कथित रूप से जबरन बेदखल करने को लेकर दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता सुब्बम्मा के अनुसार मंत्री और अन्य लोग उनकी अनुपस्थिति में उनके घर आए और 09 सितंबर को एक अस्थायी शेड और परिसर को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने मंत्री से उनकी अनुपस्थिति में संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के बारे में सवाल किया, तो उन्होंने उन पर जातिसूचक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि संपत्ति को लेकर अदालत में मामला चल रहा है और वह सेवन हिल्स डेवलपर्स के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। उन्होंने मंत्री पर उनकी पुत्री आशा पर हमला करने का भी आरोप लगाया और पुलिस से अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और उन्हें साइट से बेदखल करने की अपील की। इस संबंध में एक वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस कथित वीडियो में मंत्री को विवादित भूमि पर जाने और गालियां देते हुए दिखाया गया है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा (आईपीसी) की कई अन्य धाराओं के तहत भी मामला दर्ज किया है।

चंद्रबाबू नायडू की नजरबंदी की याचिका खारिज

विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा की एक निचली अदालत ने करोड़ों रुपए के कथित घोटाले से संबंधित मामले में गिरफ्तार तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू की नजरबंदी की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। नायडू फिलहाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत के अंतर्गत राजामहेंद्रवरम केंद्रीय कारागार में बंद हैं। नायडू के वकील जयकर मट्टा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नजरबंदी का अनुरोध खारिज कर दिया गया। नायडू का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा के नेतृत्व में वकीलों की एक टीम ने खतरे की आशंका का हवाला देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री को घर में हिरासत में रखने के लिए सोमवार को एक याचिका दायर की थी।

गडकरी का स्पष्टीकरण

डीजल वाहन पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त कर लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को उत्सर्जन में कटौती में मदद के लिए डीजल वाहनों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त कर लगाने की आवश्यकता की बात कही, लेकिन बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह का कोई प्रस्ताव सरकार के समक्ष विचाराधीन नहीं है।

वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के 63वें वार्षिक सम्मेलन में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा था कि बढ़ता प्रदूषण स्तर स्वास्थ्य के लिए चिंता का एक गंभीर विषय बन गया है और डीजल वाहनों की बिक्री को कम करने के लिए करों में बढ़ोतरी का मामला बनता है।

गडकरी ने संकेत दिया था कि इस मुद्दे पर उन्होंने एक पत्र तैयार किया है, जिसे वित्त मंत्री के साथ बैठक में उन्हें सौंपा जाएगा।

गडकरी ने कहा, मैं वित्त मंत्री से डीजल इंजन/वाहनों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने का अनुरोध करूंगा। केवल इसी तरह डीजल वाहनों धीरे-धीरे हटाया जा सकता है। हालांकि, इस बयान के थोड़ी देर बाद ही उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व नाम ट्वीटर) पर इसको लेकर सफाई दी।

गडकरी ने 'एक्स' पर लिखा, यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि सरकार के समक्ष वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

नूंह हिंसा मामले में बजरंग दल नेता मोनू मानेसर गिरफ्तार

गुरुग्राम (हरियाणा)/भाषा। हरियाणा के नूंह जिले में जुलाई में हुई हिंसा के मामले में मंगलवार को गोरक्षक मोनू मानेसर को गिरफ्तार कर लिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बाद में मोनू को नूंह की एक अदालत में पेश किया गया जहां उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बजरंग दल नेता को गुरुग्राम के मानेसर से गिरफ्तार किया गया। मोनू का मूल नाम मोहित यादव है। फिलहाल, मोनू मानेसर के खिलाफ वास्तविक आरोपों का पता नहीं चल सका है। नूंह में 31 जुलाई की हिंसा से पहले मानेसर (30) का एक वीडियो सामने आया था जिसमें उसने कहा था कि वह बृज मंडल जलाभिषेक शोभायात्रा में शामिल होगा और उसने लोगों से भी इसमें शामिल होने का आग्रह किया था।

किसान दुनिया के सच्चे संरक्षक : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि किसानों ने मानवता को मिले प्रकृति के उपहार कृषि जैव विविधता को सदियों से बचाकर रखा है इसलिए इसमें कोई दो राय नहीं कि किसान ही इस दुनिया के सच्चे संरक्षक हैं।

श्रीमती मुर्मु ने मंगलवार को यहां किसान अधिकारों पर पहली वैश्विक संगोष्ठी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दुनिया का कृषक समुदाय इसका असली संरक्षक है क्योंकि उसने ही प्रकृति के उपहार कृषि जैव विविधता को बचाकर रखा है। उन्होंने कहा कि सभी को फसलों , पौधों तथा प्रजातियों की विभिन्न किस्मों की रक्षा करनी चाहिए और उनके संरक्षण के किसानों के प्रयास की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन वनस्पतियों का संरक्षण सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

इस संगोष्ठी का आयोजन खाद्य और कृषि संगठन , रोम के खाद्य एवं कृषि पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संधि सचिवालय द्वारा किया जा रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत विविधता से भरपूर विशाल देश है जिसका क्षेत्रफल विश्व का केवल 2.4 प्रतिशत है लेकिन विश्व के पौधों की विभिन्न किस्मों और जानवरों की सभी दर्ज प्रजातियों का 7 से 8 प्रतिशत भारत में मौजूद है। उन्होंने कहा कि जैव विविधता के क्षेत्र में भारत पौधों और प्रजातियों की विस्तृत श्रृंखला से संपन्न देशों में से एक है। भारत की यह समृद्ध कृषि-जैव विविधता वैश्विक समुदाय के लिए अनुपम निधि रही है।

उन्होंने कहा कि हमारे किसानों ने कड़े परिश्रम और उद्यमिता से पौधों की स्थानीय किस्मों का संरक्षण किया है, जंगली पौधों को अपने अनुरूप बनाया है और पारंपरिक किस्मों का पोषण किया है। इससे फसल कार्यक्रमों को बल मिला है तथा मनुष्यों और पशुओं के लिए भोजन एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय में दो स्थायी न्यायाधीश नियुक्त

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के दो अतिरिक्त न्यायाधीशों को पदोन्नत कर स्थायी न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया है। केंद्रीय विधि एवं मंत्रालय के न्याय विभाग ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी कर दोनों न्यायाधीशों की नियुक्ति की घोषणा की। अधिसूचना के अनुसार, न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति अनंत रमानाथ हेगड़े और न्यायमूर्ति कर्मकुझिल श्रीधरन हेमलेखा को कर्नाटक उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के पद से पदोन्नत कर इसी अदालत का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त न्यायाधीश किया गया है। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने 31 अगस्त को दोनों अतिरिक्त न्यायाधीशों को न्यायाधीश बनने की सिफारिश की थी।

तमिलनाडु में रेत माफियाओं पर ईडी का शिकंजा, 40 से ज्यादा स्थानों पर छापेमारी

चेन्नई। तमिलनाडु में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की विभिन्न टीमों ने धनशोधन और कर चोरी के आरोपों के बाद रेत माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को पूरे राज्य में छापेमारी की। राज्य में नदी तल से रेत खनन, बिक्री डिपो और रेत खनन ठेकेदारों के कार्यालयों और आवासों सहित 40 से ज्यादा स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए। ये छापेमारी वेल्लोर, चेन्नई, डिंडीगुल, तिरुचि, करूर और पुदुक्कोट्टई सहित कई जिलों में की गई। आरोप है कि रेत खनन डिपो में प्रदान की गई ई-रसीद के साथ रेत को आधिकारिक तौर पर ऑनलाइन बेचा गया, लेकिन रेत की महत्वपूर्ण ऑफ़लाइन बिक्री भी हुई जिसका रिकॉर्ड लगातार दर्ज नहीं किया गया। ईडी सूत्रों ने कहा कि तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज मिले और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हजारों लॉरी मालिकों/ऑपरेटरों को जारी किए गए ई-बिलों से सरकारी खातों में कर जमा किया गया या नहीं।

|| जय अम्बेमाताय नमः|| || श्री महावीराय नमः|| || जय गुरु केवल ||

शोक संदेश / सम्मिलित उठावणा

जन्म
दि. 10.07.1968

स्वर्गवास
दि. 12.09.2023

स्व. श्री धर्मेन्द्र मुन्ना मरलेचा

(सुपुत्र: स्व. श्री सिरेमलजी - स्व. श्रीमती चम्पाबाई मरलेचा)
(कंवरसा: स्व. श्री माणकचन्दजी - स्व. श्रीमती भंवरीबाई रांका, मद्दुर)

अत्यंत दुःख के साथ सूचित कर रहें है कि हमारे भाई/पिताश्री **श्री धर्मेन्द्र मरलेचा** का स्वर्गवास मंगलवार, दि. 12-09-2023 को प्रातः 4.30 बजे हृदय गति रुक जाने से हो गया। विधि की विडम्बना के आगे हम नतमस्तक है।

सम्मिलित उठावणा: बुधवार, दि. 13.09.2023, प्रातः 11.30 बजे
स्थल: गणेशबाग, इन्फेंट्री रोड़, भगवान महावीर मार्ग, बेंगलोर

* शोकाकुल *

महावीरचन्द, विमलचन्द, अशोककुमार, राजेन्द्रकुमार, मोहित, श्रेयांस, देवांश, युवांश एवं समस्त मरलेचा परिवार, अशोकनगर, शूलै, बेंगलोर (मरुधर में गोढ़ाजी का गांव) मो.: 98450-41798, 98868-32221

निवास: CHAMPA SIRE KUNJ, # 4, Puliyar Koil Street, Ashok Nagar, Shoolay, Bangalore-25

Firm: HAJARIMAL MULTANMAL & SON'S, Bangalore
KARNATAKA PLASTOO INDUSTRIES, Bangalore-Chennai-Ahmednagar

* ससुराल पक्ष *

मोतीलाल, मदनलाल, गौतमचन्द, प्रकाशचन्द, महावीरचन्द एवं समस्त रांका परिवार, मद्दुर - मरुधर में रामासनी बाला (सोजत)

* ननिहाल पक्ष *

मिश्रीलाल पारसमल कात्रेला परिवार, मामुलपेट, बेंगलोर-53

पीओके अपने आप 'भारत का हिस्सा बन जाएगा' : वीके सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल वी के सिंह ने कहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) अपने आप भारत के अंदर आएगा। पूर्व सेना प्रमुख ने सोमवार को दौसा में संवाददाताओं से कहा, पीओके अपने आप भारत के अंदर आएगा, थोड़ा सा इंतजार कीजिए। उन्होंने राज्य में भाजपा की परिवर्तन यात्रा के दौरान दौसा में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पीओके से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। सिंह ने कहा कि जी-20 सम्मेलन की भव्यता ने भारत को विश्व मंच पर अनूठी पहचान दिलाई है और भारत ने पूरी दुनिया में अपना लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा, जी-20 बैठक अभूतपूर्व रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व में अपना लोहा मनवा दिया। जी-20 समूह में विश्व के सभी शक्तिशाली देश शामिल हैं। सभी देशों ने भारत की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। सिंह ने कहा कि 'जैव ईंधन गठबंधन' को लेकर मोदी के नेतृत्व में मिली सफलता भारत को आर्थिक रूप से मजबूती की दिशा में ले जा रही है।

उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मौजूदा कांग्रेस सरकार के राज में कानून व्यवस्था बदहाल है और युवाओं एवं किसानों से किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। सिंह ने कहा, इसलिए भाजपा को जनता के बीच जाकर उनकी बात सुनने के लिए परिवर्तन संकल्प यात्रा निकालनी पड़ी है।

महिला और उसके दो बच्चों की आग की चपेट में आने से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के राजियासर थाना क्षेत्र में सोमवार को खेत के पास बने घर में लगी आग के चपेट में आने से एक महिला और उसके दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। थानाधिकारी सत्यनारायण गोदारा ने बताया कि ठेठार गांव में खेत में बने एक घर में आग लगने से ज्योति राजपूत और उसके दो मासूम बच्चे सार्थक (3) और मोहित (1) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। आग केरोसिन के तेज से लगी है। घर में आग लगने के समय मृतका और उसके बच्चों के अलावा कोई मौजूद नहीं था।

उन्होंने बताया कि मृतका का पति खेती करता है और खेत के पास ही बने घर में उसका परिवार रहता है।

उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मंगलवार सुबह शवों का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। मृतका के परिजनों की ओर से शिकायत करने पर मामला दर्ज किया जायेगा।

होंडा ने नई एसयूवी एलिवेट को पेश किया

जयपुर। कार विनिर्माता होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने अपने नए एसयूवी मॉडल 'एलिवेट' को सोमवार को राजस्थान में उतारने की घोषणा की। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड के निदेशक (विपणन और बिक्री) युइची मुराता ने इस अवसर पर कहा कि एलिवेट भारत में कंपनी के कारोबार का प्रमुख स्तंभ बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा, एलिवेट का विकास व्यापक शोध और ग्राहकों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर किया गया है। यह कार उपभोक्ताओं को उल्लेखनीय खूबियों की पेशकश करती है। मुराता ने होंडा के लिए राजस्थान के बाजार को महत्वपूर्ण बताया।

पेड और फेक न्यूज पर नियंत्रण के लिए सभी जिलों पर मीडिया सर्टीफिकेशन एण्ड मॉनिटरिंग कमेटी का होगा गठन : गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा चुनाव-2023 के मद्देनजर मीडियाकर्मियों को निर्वाचन संबंधी विषयों से अवगत कराने के लिए निर्वाचन विभाग की ओर से मंगलवार को कच्च ठखझ- जयपुर में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने मीडियकार्मियों से निर्वाचन विभाग के विभिन्न नवाचारों के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि पेड और फेक न्यूज पर नियंत्रण के लिए सभी जिलों और राज्य स्तर पर मीडिया सर्टीफिकेशन एण्ड मॉनिटरिंग कमेटी का गठन होगा।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि एमसीएमसी और पैड न्यूज के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने प्रोटोकोल तय कर रखा है। विज्ञापनों के लिए प्री सर्टिफिकेशन अनिवार्य है। उन्होंने मीडियाकर्मियों को एमसीएमसी, पैड न्यूज, फेक न्यूज, निर्वाचक सूची तथा होम वोटिंग के साथ ही आईटी एप्स जैसे सुविधा एप, सी-विजिल एप, केवाईसी एप, वोटर हैल्प लाइन एप, सक्षम एप, आदर्श आचार संहिता, स्वीप और शिकायत निवारण पोर्टल से संबंधित विभिन्न नवाचारों के बारे में नवीनतम जानकारी होनी चाहिए। गुप्ता ने कहा कि इस बार 50 फीसदी से ज्यादा मतदान केन्द्रों पर लाइव वेबकास्टिंग होनी है। मतदाताओं के नाम जुड़वाने, मतदाता सूची में संशोधन आदि के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है, साथ ही निर्वाचन से संबंधित जानकारियां एसएमएस के माध्यम से प्रदान की जा रही है। उन्होंने ई-ईपिक डाउनलोड करने की जानकारी भी दी तथा वोटर हेल्पलाइन एप का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की अपील की।

गुप्ता ने कहा कि चुनाव से पहले बहुत से लोग ये जानना चाहते हैं कि उनका नाम वोटर लिस्ट में है या नहीं। ऐसे में बार कोड, क्यू आर कोड, नाम या पिता का नाम तथा वोटर क्रमांक के जरिए हम वोटर लिस्ट में नाम पता कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि निर्वाचक सूची में नाम जुड़वाने के लिए नामांकन के अंतिम दिन से 10 दिवस पूर्व तक आवेदन किया जा सकता है।

गुप्ता ने बताया कि आदर्श आचार संहिता और व्यय अनुवीक्षण को लेकर सी-विजिल एप पर ऑनलाइन शिकायत वीडियो, ऑडियो या फोटो के जरिए की जा सकती है। वहीं केवाईसी एप के जरिए उम्मीदवार की समस्त जानकारी जिसमें मुख्यतः आपराधिक पृष्ठभूमि ऑनलाइन ली जा सकती है। सुविधा एप के जरिए उम्मीदवार रैली, सभा, वाहन आदि की अनुमति ले सकता है।

राजस्थान में दोबारा कांग्रेस की सरकार बनेगी : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर हर क्षेत्र में विफल रहने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद राजस्थान में दोबारा कांग्रेस सरकार बनाएगी। पायलट ने यह भी दावा कि कांग्रेस राजस्थान के अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व तेलगांना में भी सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में जीत होने पर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' जीतेगा।

अजमेर में मीडिया से बातचीत में पायलट ने कहा, 'राजस्थान में जिस प्रकार से सरकार, संगठन सब मिलकर काम कर रहे हैं, मुझे लगता है कि यहां दोबारा सरकार कांग्रेस पार्टी की बनेगी। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, पिछले नौ साल से केंद्र में पूर्ण बहुमत वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार है, लेकिन बड़ी विडंबना है कि वह अपना काम नहीं कर पा रही है। नौ साल का यह एक आकलन लोगों का है। हर क्षेत्र में वह विफल रहे हैं। महंगाई तथा बेरोजगारी है और किसान एवं नौजवान समेत सब त्रस्त हैं।

राजस्थान में भाजपा की परिवर्तन यात्राओं पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, राजस्थान में उल्टा है। भाजपा यहां विपक्ष में है और उस भूमिका को निभा नहीं पा रही है। अब थक हार कर यात्रा शुरू की है... पहले जन आक्रोश यात्रा शुरू की थी जिसमें जनता नहीं थी, अब परिवर्तन यात्रा कर रही है। यहां पर भाजपा में सिर फुटव्वल मचा है और संघर्ष बहुत ज्यादा है।

कांग्रेस नेता ने कहा, अब वे (भाजपा नेता) इस बात से संतोष ले रहे हैं कि हर पांच साल में सरकार बदल जाती है। मैं ऐसा मानता हूं कि इस बार इस परिपाटी को हम तोड़ने जा रहे हैं। राजस्थान में जिस प्रकार से सरकार, संगठन, सब मिलकर काम कर रहे हैं, मुझे लगता है कि यहां दोबारा सरकार कांग्रेस पार्टी की बनेगी। उन्होंने कहा, मैं यह बात जनता से हमें मिली प्रतिक्रिया के आधार पर कह रहा हूं।

पायलट ने कहा कि सब लोग मानते हैं कि इस बार भाजपा विपक्ष के रूप में सदन और सदन के बाहर नाकाम रही है और अब उसकी परिवर्तन यात्राओं में जनता का अभाव इस बात का प्रमाण है कि जनता भाजपा पर विश्वास नहीं करती है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ये उम्मीद करते हैं कि राममंदिर के नाम पर, हिंदू- मुसलमान के नाम पर हम सत्ता में आ जाएंगे। लोग अब समझ गए हैं। शुरुआत में तो लोग भ्रमित हो जाते थे। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इन चार राज्यों --मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ व तेलगांना में भाजपा अच्छा प्रदर्शन करेगी। मुझे लगता है कि चारों राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी। इन सभी राज्यों में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, पार्टी के दम पर ही सरकारें बनती हैं और मुझे विश्वास है कि सबलोग मिलकर ही चुनाव लड़ रहे हैं और पार्टी जिताउ लोगों को टिकट देगी।

पायलट ने कहा, चुनौती बड़ी गंभीर है। देश में लोकसभा के चुनाव अगले साल हैं। अगर इन चारों राज्यों में कांग्रेस पार्टी जीतती है तो मैं पूरे विश्वास के साथ बोल सकता हूं कि 2024 में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनागी।

'चम्बल रिवर फ्रंट से लगेंगे प्रदेश के पर्यटन को पंख'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश को मंगलवार को चम्बल रिवर फ्रंट की सौगात मिली। कोटा शहर में लगभग 1400 करोड़ रुपये की लागत से विकसित देश के पहले हैरिटेज रिवर फ्रंट का लोकार्पण विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शांति धारीवाल की उपस्थिति किया। राज्य सरकार के कई मंत्रियों के साथ ही विभिन्न बोर्ड-निगम-आयोग अध्यक्ष एवं विशिष्ट लोग इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने। कोटा बैराज से नयापुरा पुलिया तक तक 2.75 किलोमीटर लम्बाई में विकसित चम्बल रिवर फ्रंट को अवलोकन कर सभी गणमान्य अभिभूत नजर आए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि राजस्थान के लिए यह गौरव का विषय है कि इस तरह का ऐतिहासिक कार्य कोटा में हुआ है। जो भी पर्यटक यहां आएंगे वे यहां की खूबसूरती को आजीवन याद रखेंगे। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने कहा कि चम्बल रिवर फ्रंट ने राज्य में विकास की एक नई इबारत लिखी है। यह रिवर फ्रंट पर्यटन की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा ने कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रख रही है। कोटा में विकसित चम्बल रिवर फ्रंट ना केवल पर्यटन और कला की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राजस्थान की गंगा-जमुनी तहजीब की भी मिसाल है। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि वे चंबल रिवर फ्रंट के विभिन्न घाटों का अवलोकन कर अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि जो भी देशी-विदेशी पर्यटक यहां आएंगे उनके जेहन में लंबे समय तक यादें ताजा रहेंगी।

सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा कि राज्य विकास के पद पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। चंबल रिवर फ्रंट इसी की एक मिसाल है। यह देश-दुनिया के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। उद्योग मंत्री श्रीमती शकुंतला रावत ने कहा कि चंबल रिवर फ्रंट के बारे में जितना सुना था उससे कहीं बढ़कर पाया है। यहां पूरे विश्व की संस्कृति के दर्शन हो रहे हैं। यहां ऐतिहासिक कार्य हुआ है जो सदियों तक याद रखा जाएगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती ममता भूपेश ने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम की संकल्पना को साकार करता यह रिवर फ्रंट राजस्थान की लोक संस्कृति भी प्रमुखता से दर्शाता है। राजस्थान पर्यटन सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। चंबल रिवर फ्रंट से पर्यटन के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी खुलेंगे।

राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि कोचिंग सिटी के तौर पर पहचान रखने वाला कोटा अब चम्बल रिवर फ्रंट के लिए भी देश-दुनिया में जाना जाएगा। सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव ने कहा कि चंबल रिवर फ्रंट का कार्य अद्भुत और अकल्पनीय है। यहां निर्मित हर एक घाट और हर एक इमारत आकर्षित करने वाली है। चंबल माता की विशालकाय मूर्ति विशेष रूप से आकर्षित करती है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि भविष्य में चंबल रिवर फ्रंट प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में उभरेगा। बड़ी संख्या में सैलानी हर साल यहां आएंगे जो यहां से खूबसूरत यादें लेकर जाएंगे।

पूजा

जैसलमेर में आस्था और श्रद्धा के पावन धाम रामदेवरा मंदिर में बाबा रामदेव जी की पूजा अर्चना करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

विभिन्न विधाओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के अंतर्गत राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी के द्वारा मंगलवार को झालाना स्थित अकादमी संकुल परिसर में ब्रजभाषा रचनाकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रजभाषा रचनाकार प्रतियोगिता 2023 के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर कला, साहित्य एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी कल्ला के सन्देश का वाचन किया गया। उन्होंने अपने सन्देश में ब्रज भाषा को सरल, तरल एवं उदार बताते हुए इसकी महिमा का वर्णन किया और अकादमी को प्रशंसनीय कार्यों के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गोपाल कृष्ण ने कहा कि ब्रजभाषा कृष्ण की भाषा है।

उन्होंने ब्रजभाषा अकादमी को अपने उल्लेखनीय कार्यों के लिए बधाई देते हुए कहा कि हमे यदि हिंदुस्तान को आगे बढ़ाना है, तो अपनी भाषाओँ को आगे बढ़ाना होगा और संयुक्त रूप से इनके उत्थान के लिए कार्य करना होगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजस्थान राज्य मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रमेश बोराणा ने ब्रजभाषा अकादमी को कृष्ण से जोड़ते हुए कहा कि यह भाव और संवेदनाओं की भाषा है साथ ही उन्होंने सभी विजेता रचनाकारों को पुरस्कार के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में आलेख विधा में प्रथम स्थान पर डॉ.रामदास शर्मा, द्वितीय स्थान पर निर्मल कुमार सिंहल एवं तृतीय स्थान पर अश्विनी गोयल, समस्यापूर्ति विधा में प्रथम स्थान पर अभिषेक, द्वितीय स्थान पर कमल सिंह कमल एवं तृतीय स्थान पर कल्याण गुर्जर को पुरस्कृत किया गया। इसी तरह लोकधुन पर आधारित लोकगीत विधा में प्रथम स्थान पर हरिशचन्द्र हरि, द्वितीय स्थान पर शिवराम शिव एवं तृतीय स्थान पर सर्वोत्तम त्रिवेदी को पुरस्कृत किया गया।

रजिस्ट्रेशन से वंचित परिवार भी महंगाई राहत कैंप से जोड़े जाएं : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में राज्य के वंचित परिवारों का महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन करवाने के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टर के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जनआधार के आकड़ों के अनुसार राज्य के अधिकाशं परिवारों को महंगाई राहत कैंप से जोड़ा जा चुका है और उन्हें योजनाओ का लाभ भी मिला है । इसी क्रम में उन्होंने सम्बंधित विभागों के सचिव और जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि कुछ परिवार, जो योजनाओं के लाभ लेने से वंचित रह गए हैं, उनका महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन करवाना सुनिश्चित किया जाए।

श्रीमती शर्मा ने सभी जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि वे सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग से समन्वय कर वंचित परिवारों का जिला वार और ब्लॉक वार डाटा प्राप्त करें और महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू करवाएं । उन्होंने सम्बंधित विभागों को भी निर्देशित किया कि वे जिला कलेक्टर के साथ मिलकर ऐसे परिवारों को विभाग की योजनाओ का लाभ पहुंचना सुनिश्चित करें, जिनका रजिस्ट्रेशन तो हो गया है, परन्तु उन्हें सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि महंगाई राहत कैंप में वंचित परिवारों के रजिस्ट्रेशन के लिए महात्मा गाँधी सेवा प्रेरक, राजीव गाँधी युवा मित्र और ग्रामीण पदाधिकारियों की भी मदद ली जाए, ताकि राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचे। बैठक में आयोजना विभाग के शासन सचिव भवानी सिंह देथा और संयुक्त सचिव सुशील कुमार कुलहरी, सचिव सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग श्रीमती आनंधी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

स्वामित्व योजना में प्रदेश ने किया अच्छा काम : सुनील कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश ने 25 हजार से भी अधिक गांवों में ड्रोन सर्वे कर स्वामित्व योजना में पिछले 18 महीने में अच्छा काम करके दिखाया है। लेकिन सबसे बड़ा राज्य और गांवों की बड़ी संख्या के कारण यहां समय पर सर्वे, मैप प्रथम-द्वितीय जारी कर लाभार्थी को सम्पत्ति के प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने के काम में और तेजी लानी होगी। पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार के सचिव श्री. सुनील कुमार ने मंगलवार को प्रातः शासन सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में राज्य में स्वामित्व योजना की प्रगति एवं क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि इस योजना का वास्तविक मकसद डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने के साथ ही योजना में निर्मित नक्शों एवं डेटाबेस को विकास कार्यों की प्लानिंग में उपयोग किया जाना है। योजना का पूरा रिकॉर्ड तैयार होने के बाद विकास कार्यों की प्लानिंग के लिए बार-बार फील्ड सर्वे नहीं करना होगा और सटीकता के साथ डेटा का विविध कार्यों में उपयोग लिया जा सकेगा। सुनील कुमार ने सर्वे ऑफ इण्डिया को ड्रोन सर्वे डेटा के आधार पर 10 हजार गांवों के बैकलॉग मैप प्रथम नवम्बर अन्त तक पंचायती राज विभाग को उपलब्ध करा देने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि विभाग द्वारा मैप वन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ग्राउण्ड पर इस पर प्रॉपर्टी टूक्रथिंग एवं मार्किंग का कार्य भी तेजी से किया जाए।

लोकसभा चुनाव के लिए जद (एस) के साथ भाजपा के गठबंधन पर केंद्रीय नेतृत्व करेगा फैसला : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी एस येडीयुरप्पा ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व 2024 के लोकसभा चुनावों के मद्देनजर कर्नाटक में जनता दल (एस) के साथ गठबंधन को लेकर फैसला करेगा। येडीयुरप्पा ने कहा कि वह पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली जा रहे हैं और इस दौरान राज्य की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा होगी।

भाजपा और जद (एस) के बीच गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर भाजपा के कद्दावर नेता ने कहा, 'दिल्ली के नेता, अमित शाह (केंद्रीय गृह मंत्री) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पर फैसला करेंगे। मुझे इस बारे में अब तक कोई विशेष जानकारी नहीं है'' यह पूछे जाने पर कि

आज दिल्ली में होगी बैठक

क्या वह कल दिल्ली जा रहे हैं, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह भाजपा चुनाव समिति की बैठक (केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य के रूप में) में भाग लेने के लिए वहां जा रहे हैं और इस दौरान सभी नेताओं से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा, 'राज्य की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करने और उनके सुझाव लेने की कोशिश करूंगा।'

यह पूछे जाने पर कि क्या वह यात्रा के दौरान जद (एस) के साथ गठबंधन के बारे में चर्चा करेंगे, उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता, यह प्रधानमंत्री और अमित शाह पर निर्भर है, देखते हैं कि चर्चा कैसे होती है ... दिल्ली नेतृत्व जो भी निर्णय लेगा, हम उसका पालन करेंगे।' एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि उम्मीद की जाती है कि विपक्ष में मौजूद दोनों दलों को एक साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगली बातचीत दिल्ली स्तर पर होगी और सभी नफा-नुकसान पर विचार करने के बाद दोनों दलों के नेता फैसला करेंगे।'

भाजपा और जद (एस) के बीच संभावित गठबंधन को 'असहाय पार्टियों' का साथ आना करार देने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बोम्मई ने कहा, उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन बनाया है, जहां ममता बनर्जी (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख), भाकपा, कांग्रेस, अरविंद केजरीवाल (दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप प्रमुख) जैसे विरोधी एक साथ आ गए हैं, क्या वे सभी असहाय हैं? उन्होंने कहा कि भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे उदाहरण हैं, जहां विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए विभिन्न प्रकार की समझ बनी है। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक में इस दुष्ट सरकार से मजबूती से लड़ने के लिए, हम हाथ मिला रहे हैं।'

येडीयुरप्पा भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य भी हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनावों के लिए जद (एस) के साथ चुनावी तालमेल करेगी। उन्होंने कहा था कि राज्य की 28 लोकसभा सीट में से चार पर जद (एस) चुनाव लड़ेगी।

हालांकि, बाद में उन्होंने कहा कि इस संबंध में चर्चा अभी तक अंतिम रूप नहीं ले सकी है। उन्होंने कहा था कि मोदी और शाह व्यस्त हैं और कुछ दिनों में वे इस मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं तथा निर्णय ले सकते हैं। जद (एस) नेता एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि भाजपा और उनकी पार्टी के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ने पर चर्चा अभी शुरुआती चरण में है।

हैकर को गिरफ्तार कर 4 करोड़ से अधिक के सोना चांदी के आइटम जब्त किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां आग्नेय विभाग के साइबर क्राइम थाना पुलिस ने आन्ध्रप्रदेश मूल के एक कुख्यात हैकर को गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके पास से 4 करोड़ रुपए से अधिक के सोने चांदी के आभूषण आदि बरामद किए हैं।

यहां पुलिस आयुक्त कार्यालय में पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने बताया आन्ध्रप्रदेश के लक्ष्मीपति नामक एक व्यक्ति जिसने रिवार्ड360 कम्पनी को हैक करके लोगों को धोखा देकर अवैध रूप से कमाई कर रहा था। पुलिस को इसके पास से लगभग 5 किलो गोल्ड बिस्किट, 27 किलो चांदी, सात दोपहिया वाहन, 26 लाख रुपए मूल्य के फिलिफ कार्ड वैलेट, 3 लाख रुपए मूल्य के अमेजॉन वैलेट तथा इसके साथ लैपटॉप, मोबाइल फोन आदि जब्त किए हैं।

लक्ष्मीपति ने रिवार्ड360 कम्पनी के ग्राहकों को दिए जाने वाले वाउचर को हैक कर उन्हें भुनाने का आरोप है। पुलिस आयुक्त कार्यालय में पूर्व रैंज के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रमन गुप्ता, डीसीपी सीके बाबा, एसीपी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दपरे : 23वीं जेडआरयूसीसी बैठक हुई

यात्री सुविधाओं, ट्रेन सेवा और बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे पर जोनल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति की 23वीं बैठक मंगलवार को हुब्बली में हुई। बैठक की अध्यक्षता महाप्रबंधक संजीव किशोर ने की। यह बैठक सभी रेलवे हितधारकों के साथ बेहतर प्रतिनिधित्व और परामर्श के लिए बुलाई गई। बैठक में यात्री सुविधाओं, ट्रेन सेवा और बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

महाप्रबंधक संजीव किशोर ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और 2022-23 में प्रमुख प्रदर्शन सूचकांक (केपीआई) के संदर्भ में सभी जोनल रेलवे के बीच प्रथम स्थान की समेत कई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय द्वारा 'स्वच्छता पखवाड़ा 2022' के दौरान दपरे को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला रेलवे जोन भी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि वास्को-डी-गामा, मैसूरु और एसएसएस हुब्बल्ली सहित दपरे के 50 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है।

उन्होंने उल्लेख किया कि त्योहार और छुट्टियों के मौसम के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 83 विशेष ट्रेनें चलाई गईं और 1798 अतिरिक्त डिब्बे जोड़े गए। उन्होंने बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के बारे में विस्तार से बताया और आश्वासन दिया कि दपरे कनेक्टिविटी और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने में कोई कमी नहीं छोड़ रहा है। उन्होंने बताया कि दपरे नेटवर्क का 71 प्रतिशत हिस्सा पहले ही विद्युतीकृत हो चुका है। साल 2022-23 में, 228 किमी नई लाइन और दोहरीकरण और 874 आरकेएम विद्युतीकरण (अब तक का उच्चतम) पूरा किया गया।

सदस्यों को यात्री सुविधाओं, बुनियादी ढांचे के विकास, अतिरिक्त ठहराव जैसी ट्रेन सेवाओं, ट्रेनों की आवृत्ति में वृद्धि और आरओबी/आरयूबी के निर्माण से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्होंने दक्षिण भारत की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा की शुरुआत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। इस दौरान राज्यसभा सांसद नारायण कोरगप्पा, गोवा सरकार के विधायी कार्य, पर्यावरण, कानून और न्यायपालिका और लोक निर्माण विभाग के मंत्री नीलेश कैब्राल और जेडआरयूसीसी सदस्य जीके अडप्पागौदर, वेणु यादव, रवि कुमार वेमुलापल्ली, दामोदरदास आर राठी, विनय जे जावली, एम बाबू राव, देवानंद एस नाइक भंडारी, केवी वसंत कुमार, महेंद्र एच सिंघी, सुरेश कुमार, माचेरला सुकुमार, कैप्टन हिमांशु शेखर, पीके देवासिगमानी, कृष्णमूर्ति पी और प्रसाद डी कुलकर्णी मौजूद थे। बैठक में अपर महाप्रबंधक, प्रधान विभागाध्यक्ष यू सुब्बा राव, दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

किशोर ने आश्वासन दिया कि जेडआरयूसीसी सदस्यों द्वारा रखी गईं विभिन्न मांगों और सुझावों को पूरा करने के लिए दपरे द्वारा गंभीर प्रयास किए जाएंगे, जो विभिन्न रेलवे हितधारकों की जरूरतों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

कांग्रेस से लड़ने के लिए जद(एस) से गठबंधन जरूरी : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बसवराज बोम्मई ने आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार के कुप्रबंधन पर ब्रेक लगाने के लिए जद (एस) के साथ गठबंधन जरूरी है। मीडिया से बात करते हुए बोम्मई ने कहा कि कर्नाटक के लोग चाहते हैं कि दोनों विपक्षी दल, भाजपा और जद (एस), लोकसभा चुनाव एक साथ लड़ें। भविष्य में इसके (गठबंधन) पक्ष और विपक्ष के लिए चर्चा की आवश्यकता है। इस संबंध में दोनों दलों के शीर्ष नेताओं द्वारा निर्णय लिया जाएगा।

कांग्रेस पर तंज कसते हुए बोम्मई ने कहा कि वर्तमान में भारतीय विपक्षी गठबंधन एकजुट है। जो लोग एक-दूसरे से नफरत करते थे, वह एक साथ हैं, जैसे कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, सीपीआई, सीपीआई (एम), दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, सभी एक साथ आए हैं। क्या वे असहाय हैं? राजनीति के इतिहास में कई बदलाव हुए हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के शीर्ष भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात के बारे में कांग्रेस एमएलसी के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बोम्मई ने कहा, 'मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने इस संबंध में जवाब दिया था।

उन्होंने (सिद्दरामैया) दावा किया था कि अगर कोई अन्य दलों के नेताओं से मिलता है, तो विचारधारा नहीं बदलेगी। इसका क्या मतलब है?'

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देखना होगा कि राज्य सरकार तमिलनाडु को कावेरी जल छोड़ने के संबंध में क्या रुख अपनाती है। इससे पहले, कर्नाटक सरकार ने एक हलफनामा दायर किया था कि राज्य पड़ोसी तमिलनाडु को पानी नहीं देगा।

अधिकारियों को घर से काम करने की अनुमति नहीं : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए घर से काम करने की अनुमति नहीं है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने जिला आयुक्तों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की बैठक में कहा, 'जिला और तालुक केंद्रों के अधिकारियों को घर से काम नहीं करना चाहिए। घर पर बैठकर काम न कर। घर से काम करने की अनुमति नहीं है। अगर इससे लोगों को परेशानी होगी तो सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।'

जनता, विधायकों और मंत्रियों की भी शिकायतें हैं कि अधिकारी फोन कॉल का जवाब नहीं देते हैं। यह ठीक नहीं है। आपको कॉल का जवाब देना चाहिए, कॉल चाहे मुख्यमंत्री कार्यालय से हो, मंत्रियों के हों, विधायकों के हों या आम लोगों के हा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी विधायक, चाहे वे किसी भी दल के हों, प्रोटोकॉल का अनिवार्य रूप से पालन कर। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अधिकारियों की लापरवाही और अभद्रता के कारण सरकार की बदनामी हुई तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सिद्दरामैया ने डीसी और जिला पंचायत सीईओ को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे मंत्रियों और विधायकों को सप्ताह में एक बार तालुका स्तर पर सार्वजनिक बैठकें आयोजित करने और उनकी शिकायतों का जवाब देने के लिए आमंत्रित कर।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों से सवाल किया कि ''लोग छोटी-छोटी समस्याओं के लिए मेरे पास आते हैं तो आप किसलिए हैं।'' मुख्यमंत्री बनने के बाद मैंने कई जिलों का दौरा किया है। इस दौरान आम लोगों ने सैकड़ों अनुरोध किये। लोग मेरे पास ऐसी समस्याएं लेकर आ रहे हैं, जिन्हें जिला और तालुक स्तर पर हल करने की जरूरत है।

यदि आप सार्वजनिक बैठकें करते और तुरंत समाधान करते तो ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा, एक सप्ताह के भीतर कुछ मुद्दों का समाधान प्रदान कर। फिर से जांचें कि क्या समस्या हल हो गई है। फिर लोगों को मेरे पास नहीं आना पड़ेगा।

कांग्रेस सरकार ने बेहद कम समय में ही अपनी लोकप्रियता गंवा दी : येडीयुरप्पा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक की सिद्दरामैया नीत कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद अपनी लोकप्रियता गंवाने का दावा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी एस येडीयुरप्पा ने मंगलवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी के नेता प्रदेश सरकार की 'विफलताओं' के मुद्दे पर राज्य भर का दौरा करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि सूखे जैसे अहम मुद्दों के बावजूद सरकार ने उनका समाधान करने के बजाय जनविरोधी नीति अपनाई है।

उन्होंने कहा, 'महत्वपूर्ण नेताओं की आज हुई बैठक में हमने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बहुत कम समय में ही इस सरकार ने अपनी लोकप्रियता गंवा दी है और ऐसी स्थिति में पहुंच गई है जहां उन्हें लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है।' यहां पार्टी पदाधिकारियों की बैठक का उद्घाटन करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, 'राज्य सूखा से प्रभावित है। कई ज्वलंत मुद्दे हैं लेकिन सरकार ने उनका समाधान नहीं किया है तथा वह जन-विरोधी नीति अपना रही है।'

जानलेवा हमला के मामले में तीन गिरफ्तार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु की पूर्व विभाग की पुलिस ने व्यक्ति पर आत्मघाती हमला करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि गत 4 सितम्बर को कमनहल्ली मैन रोड स्थित सुखसागर होटल में तमिलनाडु की द्रमुक पार्टी के नेता, हिस्ट्री सीटर एवं रियल स्टेट उद्यमी चाय पी रहे थे। उस समय उन पर चार पांच लोगों ने जान लेवा हमला कर दिया था। घातक हथियारों से हमला कर उन्हें मृत समझ सभी भाग निकले थे। पूर्व विभाग के उप पुलिस आयुक्त डी देवराज ने बताया कि इस सिलसिले में पुलिस ने तीन विशेष टीम बनाई और सीसीटीवी आदि की जांच की। सीसीटीवी में तमिलनाडु की नम्बर की एक कार और मोटरसाइकिल दिखी। पुलिस नम्बर की पहचान करते हुए तमिलनाडु से प्रसन्न (26), विनोद कुमार (20) और कार्तिक (28) को गिरफ्तार किया। इस गैंग का लीडर कालेमुत्ते कोयम्बटूर जेल में सजाफ्ता कैदी हैं। इस गैंग में चार पांच लोग और हैं जिसकी तलाश पुलिस को है।

वैज्ञानिकों ने कैंसर कोशिकाओं का पता लगाने और उन्हें खत्म करने के लिए नया दृष्टिकोण विकसित किया

बेंगलूरु। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के वैज्ञानिकों ने कैंसर कोशिकाओं का संभावित रूप से पता लगाने और उन्हें खत्म के लिए एक नया दृष्टिकोण विकसित किया है। इनमें विशेष रूप से वे कोशिकाएं शामिल हैं, जो एक 'ठोस ट्यूमर' बनाती हैं।

'एसीएस एप्लाइड नैनो मैटेरियल्स' पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, वैज्ञानिकों ने सोने और तांबे के सल्फाइड से हाइब्रिड नैनो कण (नैनो पार्टिकल) बनाए हैं, जो ताप का उपयोग करके कैंसर कोशिकाओं को खत्म कर सकते हैं और 'साउंड वेव' यानी ध्वनि तरंगों का उपयोग करके उनका पता लगा सकते हैं। बेंगलूरु स्थित आईआईएससी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि कैंसर के खिलाफ लड़ाई में शुरुआती पहचान और उपचार महत्वपूर्ण है। इससे पहले कॉपर सल्फाइड नैनो कणों ने कैंसर निदान में उनके इस्तेमाल की ओर ध्यान आकर्षित किया था, जबकि सुनहरे (गोल्ड) नैनो कणों ने कैंसर रोधी प्रभाव दिखाया है। कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करने के लिए इन सुनहरे नैनो कणों में रासायनिक रूप से बदलाव किया जा सकता है।

कर्नाटक फिलहाल कावेरी का पानी तमिलनाडु को देने की स्थिति में नहीं

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि नदी घाटी क्षेत्र में बारिश कम होने की वजह से राज्य फिलहाल कावेरी नदी का पानी पड़ोसी तमिलनाडु को देने की स्थिति में नहीं है। कावेरी नदी के जल का बहाव फिलहाल राज्य से तमिलनाडु की ओर नहीं होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण में कर्नाटक के अधिकारी कम से कम पीने के लिए पानी बचाने की अपील करेंगे।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
(निर्माण एवं रखरखाव प्रभाग)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फैक्स : 080-28094180, फोन : 080-28094182, 4541

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना
संशोधन-1, दिनांक : 11.09.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं आमंत्रित किया जाता है।

एनआईटी नं	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/सीओएन/ई-निविदा-33/2023-24 दिनांक 16.08.2023
कार्य का नाम	बेंगलूरु स्थित एससीसी में इस्ट्रैक परिसर में 2 गुणा 60 केवीए ऑनलाइन समान्तर रेडुयूलेन्ट यूपीएस सिस्टम की जांच व आपूर्ति
अनुमानित लागत (निविदा में)	रु. 62.47 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
पूरा करने की अवधि	03 (तीन) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	17.08.2023 को 16.00 बजे से 05.09.2023 को 16.00 बजे तक 19.09.2023 को 16.00 बजे तक बढ़ा दिया है
बोली स्पष्टीकरण	18.08.2023 को 11.00 बजे से 06.09.2023 को 16.00 बजे तक 20.09.2023 को 16.00 बजे तक बढ़ा दिया है
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	07.09.2023 को 16.00 बजे तक 21.09.2023 को 16.00 बजे तक बढ़ा दिया है
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	08.09.2023 को 16.00 बजे तक 22.09.2023 को 16.00 बजे तक बढ़ा दिया है
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	11.09.2023 को 11.00 बजे के बाद 25.09.2023 को 11.00 बजे तक बढ़ा दिया है
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 1,24,940.00/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

बिटकॉइन घोटाला : एसआईटी ने बेंगलूरु में आरोपियों के आवासों पर की छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारी बिटकॉइन घोटाले के सिलसिले में बेंगलूरु में सरगना सहित अन्य आरोपियों के आवासों पर छापेमारी कर रहे हैं। सरगना श्रीकृष्ण रमेश उर्फ श्रीकी के जयनगर स्थित आवास पर छापेमारी चल रही है। बेंगलूरु के सदाशिवनगर इलाके में अन्य आरोपी व्यक्तियों सुनीश हेगड़े और प्रसिद्ध के घरों पर भी छापेमारी की गई।

अधिकारियों ने सोमवार को क्षेत्राधिकार अदालत से तलाशी वारंट प्राप्त किया था और सुबह से ही छापेमारी चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, राज्य पुलिस विभाग इस जटिल मामले में इजराइली अधिकारियों की सहायता लेने पर भी विचार कर रहा है।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने हाल ही में एक आदेश जारी कर सनसनीखेज बिटकॉइन घोटाले की दोबारा जांच करने का निर्देश दिया था, जिसमें कथित तौर पर राज्य के शीर्ष भाजपा नेता शामिल हैं। जांच के लिए आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के तहत एसआईटी का गठन किया जा रहा है। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि, हमने पिछली बीजेपी सरकार के दौरान लाखों करोड़ रुपये की हेराफेरी के बारे में चर्चा की थी। अब, हमने दोबारा जांच का आदेश दिया है। सीआईडी के तहत एसआईटी का गठन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इस घोटाले में तकनीकी, अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय मामले शामिल हैं।

सूत्र बताते हैं कि बेंगलूरु में सीसीबी पुलिस द्वारा कथित अंतरराष्ट्रीय हैकर श्रीकृष्ण की गिरफ्तारी के बाद बिटकॉइन घोटाला हुआ था। यह आरोप लगाया गया था कि आरोपी हैकर का उपयोग करके, सत्तारूढ़ भाजपा नेताओं ने उसे 2020 में हिरासत में घोटाला करने की अनुमति देकर भारी पैसा कमाया था।

पुलिस ने आरोपी को कथित तौर पर नशीली दवाएं बेचते हुए गिरफ्तार किया था। जांच में पता चला कि आरोपियों ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों और सरकारी वेब पोर्टल को हैक करके 11 करोड़ रुपये की हेराफेरी की थी। आरोपियों ने कथित तौर पर पैसे को बिटकॉइन में बदल दिया था और बेंगलूरु में ड्रग तस्करी को अंजाम दिया था। इससे पहले कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने अपने सिलसिलेवार ट्वीट में बिटकॉइन घोटाले को लेकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ-साथ पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पर भी हमला बोला था। बसवराज बोम्मई की भूमिका और जिम्मेदारी क्या है? (प्रासंगिक समय में प्रभारी गृह मंत्री कौन थे) और राज्य सरकार में अन्य? सुरजेवाला ने सवाल उठाया था, इससे बीजेपी की काफी फजीहत हुई थी। उन्होंने कहा,बिटकॉइन घोटाले की परतें आखिरकार खुल रही हैं। भारत के गृह मंत्री और बोम्मई को जवाब देना चाहिए। तत्कालीन कर्नाटक भाजपा सरकार के तहत भारत के सबसे बड़े बिटकॉइन घोटाले की जांच के लिए एफबीआई भारत में है। यदि हां, तो राजनीतिज्ञों सहित जांच और संदिग्धों का विवरण जारी कर।

सुरजेवाला ने सवाल किया, कितने बिटकॉइन चोरी हुए? और किस मूल्य का? कर्नाटक में कौन शामिल है? क्या चुराए गए बिटकॉइन व्यवस्थित हैकर श्रीकृष्ण के वॉलेट से ट्रांसफर किए गए थे?

सुविचार

मिट्टी का मटका और परिवार की क़ीमत, सिर्फ बनाने वाले को ही पता होती है, तोड़ने वाले को नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उचित समय पर समाधान

इक्कीसवीं सदी में ऐसी कई समस्याएं हैं, जिनका उचित समय पर समाधान नहीं ढूंढ़ा गया तो पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो सकते हैं। इनके प्रभावों से मनुष्य नहीं बच सकता। आज जलवायु परिवर्तन एक बड़ा मुद्दा है। हर साल वायु प्रदूषण पर आने वाली अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें बताती हैं कि कई शहरों में हालात बड़े मुश्किल होते जा रहे हैं। इनमें भारत के शहर भी शामिल हैं। ईंधन की कीमतों के कारण आज भी एक बड़ी आबादी भोजन पकाने में लकड़ी या कोयले का इस्तेमाल कर रही है। इससे वायुमंडल में धुआं घुल रहा है। इन समस्याओं पर लिखा, बोला तो खूब जाता है, लेकिन समाधान की दिशा में उतने कदम नहीं उठाए जाते। आज समय आ गया है कि सभी देशों की सरकारें गंभीरता से विचार करें और धरती बचाने के लिए ठोस पहल पर अमल करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के वार्षिक सम्मेलन में अपने संदेश में उचित ही कहा है कि 'एक ऐसा गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की जरूरत है, जो टिकाऊ तथा पर्यावरण के अनुरूप हो।' निस्संदेह विकास जरूरी है, लेकिन यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर नहीं होना चाहिए। अन्यथा आज का विकास भविष्य में मुसीबत बन सकता है। प्रधानमंत्री ने एथनॉल, फ्लेक्स फ्यूल, सीएनजी, बायो-सीएनजी, हाइब्रिड इलेक्ट्रिक और हाइड्रोजन जैसी कई वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों का हवाला देते हुए कार्बन उत्सर्जन तथा तेल आयात पर भारत की निर्भरता कम करने के लिए ठोस प्रयास जारी रखने और उन्हें अधिक बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया, जो आज अत्यधिक प्रासंगिक हैं। हमें तेल के बजाय ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाना होगा, जो पर्यावरण की 'मित्र' हैं।

सियाम के वार्षिक सम्मेलन में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी बढ़ते प्रदूषण स्तर को स्वास्थ्य के लिए चिंता का गंभीर विषय बताकर डीजल वाहनों पर निर्भरता कम करने का संकेत दिया। हालांकि बाद में उन्होंने यह भी स्पष्टीकरण दिया कि डीजल वाहनों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त कर लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। गडकरी ने एथनॉल जैसे पर्यावरण-अनुकूल वैकल्पिक ईंधन और हरित हाइड्रोजन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा, जिसकी आज सख्त जरूरत है। यह सुखद है कि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति लोगों का रुझान बढ़ रहा है। अगर एथनॉल और हरित हाइड्रोजन जैसे विकल्प लोकप्रिय होंगे तो इससे न केवल प्रदूषण की समस्या का ठोस समाधान निकलेगा, बल्कि विदेशी मुद्रा भंडार भी मजबूत होगा। वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए अभी से तैयारी करनी होगी। वहीं, भोजन पकाने में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ऊर्जा के इस स्वरूप पर बहुत जोर देते हैं। हाल में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती की गई थी, लेकिन यह अब भी मध्यम वर्गीय परिवार की रसोई के लिए ज्यादा है। जब गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ती है, तो इन परिवारों की चिंता भी बढ़ जाती है। इसका स्थायी समाधान ढूंढ़ना होगा, जो सौर ऊर्जा में नजर आता है। सरकार को चाहिए कि वह सोलर स्टोव के उपयोग को बढ़ावा दे। यह सूर्य की धूप से गर्म होने वाला ऐसा चूल्हा है, जिस पर दिन में आसानी से खाना पकाया जा सकता है। इसके अलावा बैटरी जुड़ी होने से रात को भी इस्तेमाल किया जा सकता है। मध्य प्रदेश का बांचा गांव सौर ऊर्जा से खाना पकाने के लिए विख्यात हो चुका है। देश के अन्य गांव और शहर भी इससे प्रेरणा लेकर क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं। इन दिनों अफ्रीका के कई गांवों में एक खास तरह का सोलर चूल्हा बहुत लोकप्रिय हो रहा है। धातु की एक गोल छतरी पर बहुत सारे छोटे दर्पण लगाकर तैयार किया गया यह चूल्हा धूप में खूब काम करता है। इस पैराबोलिक सोलर स्टोव को देखकर लोग चकित हैं, क्योंकि इससे उनका गैस सिलेंडर / परंपरागत ईंधन पर होने वाला काफी खर्च बच जाता है। हमारे देश में इसके सफल होने के लिए पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं। कुछ जगहों पर इसका उपयोग हो रहा है। अगर सरकार इसे बढ़ावा दे तो यह कमाल कर सकता है।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस सरकार के खिलाफ पहले सरकार में मंत्री अशोक चांदना जी ने धरना दिया और अब पूर्व मंत्री भरत सिंह जी ने विरोध स्वरूप मुंडन करवाया है। राजस्थान में कांग्रेस की विदाई और भाजपा के सत्ता में आगमन के साथ ही सुशासन आयेगा और राजस्थान के माथे से भ्रष्टाचार का कलंक मिटेगा।

-राजेन्द्र राठौड़

नमो अरिहंताणं। नमो सिद्धाणं। नमो आयरियाणं। शान्ति, त्याग, तपस्या एवं सद्भाव का पवित्र पर्व 'पर्युषण' की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। समर्पण के इस महापर्व के शुभ अवसर पर मैं प्रदेश की खुशहाली व समृद्धि की कामना करता हूँ।

-गोविंद सिंह डोटासरा

चाकसु से निवाई परिवर्तन संकल्प यात्रा-1 में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं हजारों की संख्या में आमजन ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। परिवर्तन यात्रा जन-जन की परिवर्तन यात्रा बन चुकी है और गहलोत के जंगल राज को उखाड़ने के लिए आम जन तैयार हैं।

-अरुण सिंह

प्रेरक प्रसंग

अहंकार की पहचान

एक मूर्तिकार ऐसी मूर्तियां बनाता था, जो वास्तव में सजीव लगती थीं। लेकिन उस मूर्तिकार को अपनी कला पर बड़ा घमंड था। उसे जब लगा कि जल्दी ही उसकी मृत्यु होने वाली है तो वह परेशानी में पड़ गया। यमदूतों को भ्रमित करने के लिए उसने एकदम अपने जैसी दस मूर्तियां बना डालीं और योजनानुसार उन बनाई गई मूर्तियों के बीच में वह स्वयं जाकर बैठ गया। यमदूत जब उसे लेने आए तो एक जैसी ग्यारह आकृतियां देखकर स्तब्ध रह गए। इनमें से वास्तविक मनुष्य कौन है, नहीं पहचान पाए। वे सोचने लगे, अब क्या किया जाए। मूर्तिकार के प्राण अगर न ले सके तो सृष्टि का नियम टूट जाएगा और सत्य परखने के लिए मूर्तियां तोड़े तो कला का अपमान होगा। अचानक एक यमदूत को मानव स्वभाव के सबसे बड़े दुर्गुण अहंकार की याद आई। उसने चाल चलते हुए कहा, 'काश! इन मूर्तियों को बनाने वाला मिलता तो मैं उसे बताता कि मूर्तियां तो अति सुंदर बनाई हैं, लेकिन इनको बनाने में एक त्रुटि रह गई।' यह सुनकर मूर्तिकार का अहंकार जाग उठा कि इस कार्य में तो मैंने अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। वह बोल उठा, 'कैसी त्रुटि'? झट से यमदूत ने उसका हाथ पकड़ लिया और बोला, 'बस यही त्रुटि कर गए तुम, अहंकार में भूल गए कि बेजान मूर्तियां बोला नहीं करतीं।'

सामयिक

जी-20 सम्मेलन से विश्व बिरादरी में बढ़ी भारत की प्रतिष्ठा

राजेश माहेश्वरी

इसमें कोई दो राय नहीं है कि तमाम तरह की आशंकाओं को दरकिनार करते हुए जी-20 सम्मेलन भव्यता और गर्वितभाव से संपन्न हुआ। इस पूरे आयोजन का श्रेय मोदी सरकार और देष की जनता को जाता है। टीम मोदी ने जिस बेहतर तरीके से इस बड़े आयोजन को पूर्णता तक पहुंचाया उसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। सफल सम्मेलन के बाद विश्वबिरादरी में भारत की प्रबंधन क्षमता के साथ ही कूटनीतिक कौशल की जय-जयकार हो रही है। पिछले साल जी-20 की मेजबानी मिलने के बाद से ही भारत सरकार इसकी तैयारियों में जुट गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसकी तैयारी को लेकर देश के 50 से अधिक शहरों में करीब 200 बैठकों का आयोजन किया गया। जी-20 विश्वके 20 सबसे ताकतवर देशों का एक समूह है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक, कूटनीतिक और पर्यावरण के मुद्दों पर विचार-विमर्श करता है। साथ ही इसका हल निकालने की कोशिश करता है। वास्तव में इस आयोजन की तैयारी इस तरीके से की गई थी कि विदेशी मेहमानों को भारत की विरासत और सांस्कृतिक खूबसूरती का सहज अनुभव हो सके।

भारत की आंचलिक विविधता के साथ ही सांस्कृतिक विरासत को जिस प्रभावशाली ढंग से विदेशी मेहमानों के समक्ष पेश किया गया उससे इस सम्मेलन की खूबसूरती और बढ़ गई। राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि के समक्ष 20 राष्ट्रप्रमुखों का एक साथ श्रद्धावनत खड़े होने का दृश्य भारतीय चिंतन के प्रति वैश्विक स्वीकृति का प्रमाण कहा जा सकता है। विकसित और विकासशील देशों के प्रतिनिधियों के अलावा अनेक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संगठनों के जो प्रमुख इस सम्मेलन के दौरान दिल्ली में उपस्थित रहे वे सब भी बदले हुए भारत को देखकर अभिभूत हो उठे। भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए अपने कूटनीतिक कौशल का जैसा परिचय दिया है, वैसा इसके पहले शायद ही इस समूह की अध्यक्षता करने वाले किसी देश ने दिया हो।

जी-20 समिट भारत के लिहाज से काफी कामयाबी वाला रहा। जहां एक ओर भारत ने अफ्रीकी देशों के संगठन को जी-20 देशों के समूह में शामिल करा लिया। वहीं सर्वसम्मति से नई दिल्ली घोषणापत्र पारित करा दिया। यही नहीं, घोषणापत्र में रूस यूक्रेन की जंग को लेकर रूस को कटघरे में न खड़ा करना, यह भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक उपलब्धियों वाला रहा। भारत के इस कदम से रूस भी हैरान हो गया। रूसी विदेश मंत्री ने भी भारत के इस कदम की सराहना की। यहां तक कि इस मामले में चीन ने भी जी-20 को सराहा और सफल आयोजन पर चीनी सरकार के मुखपत्र 'ग्लोबल टाइम्स' ने तारीफ की।

भारत ने न केवल सतत एवं समावेशी विकास को प्राथमिकता दी बल्कि लैंगिक समानता जैसे विषयों को भी महत्व दिया। इसके साथ ही उसने इस पर भी बल दिया कि डिजिटल क्रांति का लाभ विश्वके निर्धन-वंचित लोगों को भी मिलना चाहिए। मोदी सरकार ने देश के अनेक हिस्सों में जी-20 के विभिन्न समूहों की बैठकें आयोजित कर विश्वको देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता से परिचित कराया। यह सम्मेलन भारत के आर्थिक, सामरिक और कूटनीतिक हितों की दृष्टि से बेहद उपयोगी साबित हुआ। विशेष रूप से मध्य पूर्व से होते हुए यूरोप तथा अमेरिका तक के जिस कारीडोर के प्रस्ताव को इस सम्मेलन में अंतिम रूप दिया गया वह प्रधानमंत्री मोदी की बड़ी सफलता है क्योंकि इसके कारण चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग के वन बेल्ट वन रोड नामक प्रकल्प की बची खुची हवा भी निकल गई। जिस तरह से इस परियोजना से एक के बाद एक देश हाथ खींचते जा रहे हैं उससे जिनपिंग की चमक और धमक दोनों में कमी आई है। यहां तक कि उसके पिट्ठु पाकिस्तान तक में उसका विरोध होने लगा। अनेक देशों ने वन बेल्ट वन रोड से अपने हाथ खींचकर प्राचीन सिल्क रूट को पुनर्जीवित करने की चीन की योजना को पलीता लगा दिया है।

इसी तरह अफ्रीका यूनियन को जी-20 का सदस्य बनवाने में भी प्रधानमंत्री ने उल्लेखनीय भूमिका का निर्वहन किया। अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल किए जाने के बाद जब प्रधानमंत्री मोदी ने अफ्रीकी यूनियन के अध्यक्ष अजाली औसमानी को गले लगाया तो उन्होंने कहा कि यह उनके लिए भावनात्मक पल था। अजाली औसमानी ने कहा कि मैं रोने वाला था। यह मुझे बहुत भावुक करने वाला था।

क्योंकि वास्तव में, हमने सोचा था कि इस पर बहस होगी और फिर कोई निर्णय लिया जाएगा, लेकिन शिखर सम्मेलन की शुरुआत में ही यह घोषणा की गई कि हम इसके एक सदस्य हैं। इस सम्मेलन की सबसे खास बात ये रही कि भले ही रूस के राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग नई दिल्ली नहीं आए किंतु साझा घोषणापत्र पर जिस तरह सर्वसम्मति बनी वह भारतीय कूटनीति का ही कमाल कहा जायेगा। इसी तरह यूक्रेन के मामले में भी जिस तरह का संयमित रवैया प्रदर्शित किया गया वह सम्मेलन में शामिल सदस्यों की परिपक्वता का प्रमाण बन गया।

भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन अपने मूल एजेंडा और परिणामों के मामले में इतिहास का सबसे महत्वाकांक्षी व सफल सम्मेलन साबित हुआ है। इसमें कुल 112 परिणाम दस्तावेज व अध्यक्षीय दस्तावेज तैयार किए गए। पिछले सम्मेलन से तुलना करें, तो यह दोगुने से भी ज्यादा है। इसी वजह से इसे अब तक का सबसे सफल सम्मेलन माना जा रहा है। इनमें 73 परिणाम दस्तावेज यानी आउटकम डॉक्यूमेंट्स हैं, जो सदस्य देशों के मंत्रियों की ओर से बीते महीनों में देश के विभिन्न शहरों में हुई बैठकों में बनी सहमति पर तैयार हुए हैं। इन्हें लाइन ऑफ एफर्ट दस्तावेज भी कहते हैं। वहीं, 39 संलग्न दस्तावेज हैं, जिन्हें कार्य समूह के दस्तावेजों से अलग अध्यक्षीय दस्तावेज कहा जाता है। जी- 20 दिल्ली घोषणा पत्र के जरिये भारत ने दुनिया के लिए संयुक्त सुनहरा भविष्य बुन दिया है। भारत ने अपनी बात पर खरा उतरकर दिखाया। 16 नवंबर, 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन के समापन के दौरान हैंडओवर कार्यक्रम में बताया था कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के लिए उनका मंत्र या दृष्टिकोण क्या है, और क्या होगा दृ समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्योन्मुखी- ये चार शब्द थे। आज, 10 महीने बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत ने साबित कर दिखाया कि दुनिया के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भारतीय वह हासिल कर सकते हैं, जो उन्होंने तय किया है। स्पष्ट है कि जी-20 सम्मेलन के बाद भारत के प्रति विश्वसमुदय की धारणा जरूर बदलेगी।

वास्तव में ऐसा होने भी लगा है, क्योंकि दुनिया के कई बड़े और कहीं अधिक उन्नत देश इससे चकित हैं कि भारत ने तकनीक का किस तरह बड़े पैमाने पर उपयोग कर अपने लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के साथ उनके जीवन को सुगम बनाया है। जी-20 शिखर सम्मेलन का निष्कर्ष कुछ भी हो, यह तय है कि भारत का अंतरराष्ट्रीय कद एवं उसकी महत्ता और अधिक बढ़ने वाली है। इस आयोजन के बाद भारत का कद विश्वसमुदया में पहले से और ऊंचा हुआ है जिसके कारण विरोधियों का चिंतित होना स्वाभाविक है।

चिंतन

अब अदालतें भी चिन्तित हैं माता-पिता की उपेक्षाओं पर

ललित गर्ग

मोबाईल : 9811051133

नये बन रहे समाज एवं पारिवारिक संरचना में माता-पिता का जीवन एक त्रासदी एवं समस्याओं का पहाड़ बनता जा रहा है, समाज में बच्चों के द्वारा बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षाओं एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता इतनी अधिक बढ़ गयी है कि अदालतों को दखल देना पड़ रहा है। माता-पिता भोजन-पानी, दवाई, जरूरत की चीजों से महरूम ही नहीं हो रहे हैं बल्कि उनके सम्मान की स्थितियां भी नगण्य होती जा रही है। वृद्ध माता-पिता की यह दुर्दशा एक विकराल समस्या के रूप में उभर रही है। सुविधावाद, भौतिकता एवं धन के बढ़ते वर्चस्व के बीच माता-पिता अपने ही बच्चों की प्रताड़ना के शिकार है। ऐसी बढ़ती समस्याओं पर नियंत्रण के लिये अदालतों को न सिर्फ दखल देना पड़ रहा है बल्कि बच्चों को पाबंद करना पड़ रहा है कि वे अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करें और उनको सम्मान दें। मद्रास उच्च न्यायालय का ऐसा ही एक फैसला आज के समाज में खून के रिश्तों पर सवाल खड़ा करने वाला है। न्यायालय ने अपने फैसले में साफ किया है कि बुजुर्ग अभिभावकों की इच्छा पूरी करना बच्चों का दायित्व है। न्यायालय का यह फैसला सिर्फ किसी बच्चे और अभिभावकों के बीच संपत्ति विवाद तक सीमित नहीं है। इसे व्यापक अर्थों में देखने और समझने की जरूरत है। संवेदनशील मानसिकता के निर्माण से समाज का माहौल बदल सकता है। अदालत चाहती है कि वृद्ध माता-पिता को उदासीनता एवं उपेक्षा से मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित किया जाये ताकि एक आदर्श परिवार की संरचना को जीवंत किया जा सके एवं वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा को अदालत ने उजागर कर समाज को जागृत करने का सराहनीय काम किया है।

वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सृसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग बनता जा रहा है। अदालत की यह संवेदनशील सोच है जिससे बच्चों एवं माता-पिता के बीच बढ़ते फासलों को दूर किया जा सकता है, अदालत चाहती है कि ऐसा परिवेश निर्मित हो जिसमें परिवार के वृद्ध हमें कभी बोझ के रूप में दिखाई न दें, हमें यह कभी नहीं सोचना पड़े कि इनकी उपस्थिति हमारी स्वतंत्रता को बांधित करती है।

उन्हें पारिवारिक धारा में बांधकर रखा जाये। लेकिन हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्ध माता-पिता की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्ध माता-पिता को मुक्ति दिलानी होगी। सुधार की संभावना हर समय है। हम पारिवारिक जीवन में वृद्ध माता-पिता को सम्मान दें, इसके लिये सही दिशा में चले, सही सोचें, सही करें। वृद्ध माता-पिता से जुड़े मामलों का बोझ अदालतों में बढ़ना एक गंभीर समस्या है, इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है।

मंथन

जी-20 में नीतीशकुमार की उपस्थिति, एक तीर दो शिकार

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

बिहार में भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ने के एक साल से भी ज्यादा समय बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली में जी20 रात्रिभोज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात क्या हुई, राजनीति में तरह-तरह की अटकलबाजियों का बाजार गर्म होने लगा। सारी अटकलबाजियों की जड़ एक तस्वीर है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का परिचय अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से कराते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में बाइडेन के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी मौजूद हैं। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने सोशल मीडिया पर इसे पोस्ट किया था। इंडिया गठबंधन के कई मुख्यमंत्री जी20 डिनर से दूर रहे। गौरतलब है कि जी20 डिनर के लिए 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' के नाम से देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री को निमंत्रण भेजा गया था। लेकिन, इससे विपक्षी इंडिया गठबंधन के कई मुख्यमंत्रियों ने अलग-अलग कारणों से कन्नी काट लिया। जिस तस्वीर की बात हम कर रहे हैं, वह इसलिए खास है कि इसमें मौजूद दोनों ही मुख्यमंत्री इंडिया गठबंधन के ही सदस्य हैं।

कई महीनों बाद प्रधानमंत्री मोदी से हुई नीतीश की मुलाकात पहले जी20 डिनर में विपक्ष शासित राज्यों के जिन मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना सबसे कम लग रही थी, उसमें नीतीश सबसे प्रमुख थे। क्योंकि, वे पिछले कई महीनों में ऐसे तमाम कार्यक्रमों में नहीं पहुंचे थे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होने वाले थे। यही नहीं विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के भी असली सूत्रधार वही हैं, जिसका मुख्य एजेंडा ही प्रधानमंत्री मोदी और उनकी अगुवाई वाली बीजेपी-एनडीए का विरोध करना है। इंडिया बैठक की पहली बैठक उन्होंने पटना में ही आयोजित करवाई थी और उसकी कमान भी उन्होंने ही संभाली थी।

गौरतलब है कि नीतीश कुमार भले ही इस वक्त इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं और 2024 लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट करने में उन्होंने अगुआ की भूमिका निभाई है, मगर इस गठबंधन की बेंगलुरु और मुंबई में हुई बैठकों में जिस तरीके से नीतीश कुमार की एक नेता की भूमिका में नजर आ रहे थे मगर बेंगलुरु और मुंबई की बैठक को कांग्रेस ने जिस तरीके से हाईजैक किया है उसके बाद नीतीश कुमार अब इस विपक्षी गठबंधन में अलग-थलग नजर आने लगे। नीतीश कुमार जिन्होंने विपक्षी दलों को एकजुट किया और इंडिया गठबंधन के बनने के बाद उन्हें इस बात की उम्मीद थी कि सभी विपक्षी दल के नेता उन्हें इस गठबंधन का संयोजक बनाएंगे, मगर ऐसा कुछ भी अब तक नहीं हुआ। सूत्रों से मिली जानकारी के दौरान नीतीश कुमार को उम्मीद थी कि मुंबई की बैठक में गठबंधन के संयोजक के नाम का ऐलान किया जाएगा मगर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद ने नीतीश के साथ बड़ा खेल कर, दिया जिसके बाद विपक्षी गठबंधन में किसी भी संयोजक के नाम की घोषणा नहीं हुई बल्कि इससे अलग से 14 सदस्य कोऑर्डिनेशन कमेटी का गठन कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार के संयोजक नहीं बनने के पीछे की बड़ी वजह आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद हैं। दरअसल, जो जानकारी सामने आ रही है उसके मुताबिक लालू और कांग्रेस ने आपस में मिलकर नीतीश कुमार का खेल बिगाड़ दिया है। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार जहां उम्मीद कर रहे थे कि मुंबई की बैठक में उन्हें संयोजक बनाया जाएगा, वहीं दूसरी तरफ लालू ने नीतीश का खेल बिगाड़ते

हुए यह घोषणा कर दी थी कि इससे विपक्षी गठबंधन में एक नहीं बल्कि 3 या 4 संयोजक बनाए जा सकते हैं और प्रत्येक संयोजक को तीन या चार राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। मुंबई की बैठक में हुआ भी ऐसा ही। किसी भी एक संयोजक के नाम का ऐलान नहीं हुआ और इससे अलग इंडिया गठबंधन के कोआर्डिनेशन कमेटी के नाम की घोषणा हो गई।

गौरतलब है कि पिछले साल जब द्रौपदी मुर्मू देश की राष्ट्रपति बनी थीं तो उस वक्त नीतीश कुमार एनडीए में ही थे, मगर द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण समारोह में वह शामिल नहीं हुए थे। ऐसे में सवाल खड़े हो रहे हैं कि इस बार जब नीतीश कुमार विपक्ष में हैं तो आखिर ऐसा क्या हो गया कि राष्ट्रपति के रात्रि भोज के कार्यक्रम में नीतीश कुमार पहुंच गए, जबकि विपक्षी गठबंधन के कई मुख्यमंत्रियों ने ऐसे कार्यक्रम से अपने आप को दूर रखा? इसका जवाब दरअसल यह है कि नीतीश कुमार की विपक्षी गठबंधन में हो रही लगातार अनदेखी को ध्यान में रखते हुए नीतीश कुमार ने राष्ट्रपति के भोज कार्यक्रम में शामिल होने का दांव चला ताकि विपक्षी दलों को इस बात का एहसास कराया जा सके कि नीतीश कुमार के रास्ते और विकल्प पूरी तरीके से खुले हुए हैं और अगर उन्हें इंडिया गठबंधन में कोई महत्वपूर्ण और बड़ी भूमिका नहीं मिली तो वह दोबारा भाजपा के साथ भी जा सकते हैं। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर का भी मानना है कि नीतीश कुमार के राष्ट्रपति के भोज कार्यक्रम में शामिल होने के कदम इसी से जुड़ा है। इंडिया गठबंधन में लालू के एक्टिव होने के बाद नीतीश कुमार, जो अलग-थलग हो चुके हैं उन्होंने भी लालू और कांग्रेस को अपने तरीके से चेतावनी दे दी है कि उनकी भूमिका को विपक्षी गठबंधन में दरकिनार ना किया जाए।

माना जा रहा है कि भाजपा के बड़े नेताओं ने भले ही नीतीश कुमार को लेकर यह ऐलान कर रखा है कि अब उनकी तीसरी बार दोबारा एनडीए में एंट्री नहीं होगी मगर भाजपा को इस बात का एहसास है कि जब नीतीश कुमार का साथ उन्हें मिला था तो 2019 लोकसभा चुनाव में 40 में से 39 सीटें एनडीए गठबंधन ने जीती थीं। वहीं 2024 में भी यह तभी संभव होगा जब नीतीश कुमार लालू से अलग हटकर एक बार फिर एनडीए में आ जाएं। भाजपा को एहसास है कि अगर नीतीश कुमार एक बार फिर से एनडीए में शामिल हो जाते हैं तो बिहार में इसका फायदा उन्हें मिलेगा। मगर दूसरा सवाल यह भी खड़ा होता है कि क्या भाजपा इस बात का जोखिम उठाएगी कि जो नीतीश कुमार, जिनकी बिहार में राजनीतिक कद काफी घट चुकी है और जिन की विश्वसनीयता भी लगभग समाप्त हो चुकी है उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाए और फिर उन्हीं के नेतृत्व में 2024 का लोकसभा चुनाव लड़े? नीतीश कुमार अगर दोबारा भाजपा के साथ आते हैं तो किस रूप में आएंगे और किस तरीके से भाजपा उन्हें अपने साथ ले गई इसको भी लेकर अभी बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। हाल फ़िलहाल तो नीतीशकुमार ने एक तीर से दो निशान साध दिए है ।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जानकारी

एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कुल्लू बाढ़ प्रभावित लोगों का हाल जाना।

एतिहाद एयरवेज ने कैटरीना कैफ को बनाया अपना ब्रांड एंबेसडर

मुंबई/भाषा

संयुक्त अरब अमीरात की राष्ट्रीय एयरलाइन एतिहाद एयरवेज ने अभिनेत्री कैटरीना कैफ को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है।इससे पहले कैटरीना ने 2010 में भी एतिहाद के साथ काम किया था।

एयरलाइन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, एतिहाद के ब्रांड एंबेसडर के रूप में कैटरीना कंपनी की प्रचार के लिए बनाई जाने वाली वीडियो में नजर आएंगी।

बयान में कहा गया कि एयरलाइन के साथ उनकी साझेदारी भारतीय बाजार में एतिहाद को और मजबूत स्थिति में लाएगी। यह भारत में निरंतर वृद्धि के लिए एयरलाइन की रणनीति के अनुरूप है।

एतिहाद एयरवेज में ब्रांड, विपणन एवं प्रायोजन की उपाध्यक्ष

अमीना ताहेर ने कहा, हम अपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में एतिहाद एयरवेज परिवार में कैटरीना कैफ का स्वागत करते हैं।

कैटरीना कैफ ने कहा, मैं इस टीम का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं जिसका लक्ष्य विचारशील संबंध स्थापित करना है। मैं एतिहाद का प्रतिनिधित्व करने तथा उनकी यात्रा का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं।

प्रदर्शन

तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को मोस्ट बैकवर्ड कम्युनिटी फेडरेशन (एमबीसीएफ) के सदस्यों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर क्लिफ हाउस के सामने मार्च निकाला।

तालिबान के विभिन्न गुटों में बंटने से अफगानिस्तान गृह युद्ध की ओर बढ़ रहा है

वाशिंगटन/भाषा

अफगानिस्तान के पूर्व कमांडर ने कहा कि अमेरिकी सेना के दो साल पहले अचानक काबुल छोड़ने के बाद देश में गृहयुद्ध की स्थिति पैदा हो रही है। तालिबान अब गुटबाजी से पीड़ित है और यह तेजी से विदेशी आतंकवादियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बनता जा रहा है। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर वर्ष 2021 में कब्जे के दौरान सेना के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हिबतुल्लाह अलीजई ने 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा था, मेरा मानना है कि अफगानिस्तान में स्थिति बहुत गंभीर और खतरनाक है और यह एक खतरनाक दिशा की तरफ बढ़ रही है। इस स्थिति में अफगानिस्तान में गृह युद्ध या फिर देश विभाजित हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बीते दो वर्षों में इस पर आतंकवादियों का नियंत्रण रहा है और इसका शासन उन्हीं के हाथों में है। अलीजई वर्तमान में अमेरिका में रह रहे हैं और उन्होंने हाल में देश के बाहर अफगानिस्तान के लोगों को एकजुट करने के लिए एक पहल शुरू की है।

अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति पर गहरी निराशा व्यक्त करते हुए पूर्व कमांडर ने अफगानिस्तान और उसके लोगों को अचानक तालिबान के रहम पर छोड़ने के लिए जो बाइडन प्रशासन को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि तालिबान के शासन में अफगानिस्तान में आतंकी संगठनों की संख्या बढ़ी है।

पूर्व कमांडर ने आरोप लगाया कि अल-शबाब जैसे अफ्रीकी आतंकवादी समूहों ने भी अफगानिस्तान में अपने पैर जमा लिए हैं और अपने आतंकवादियों को प्रशिक्षण देना भी शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान में ये सब कुछ तालिबान के शासन में हो रहा है। अलीजई ने कहा, यही स्थिति है। अल-कायदा सक्रिय है। दाएश अधिक से अधिक सक्रिय हो रहा है और विभिन्न हिस्सों में तालिबान शासन के खिलाफ कई विरोधी समूहों की घोषणा और स्थापना की जा रही है, जो निश्चित रूप से अफगानिस्तान को एक और गंभीर गृह युद्ध या संभावित विभाजन की ओर ले जाएगा।

एक सवाल के जवाब में अलीजई ने कहा कि तालिबान के तहत अफगानिस्तान आतंकवादियों के लिए पनाहगाह बनता जा रहा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उस समय बाइडन प्रशासन ने या खासतौर पर स्वयं बाइडन ने बहुत बड़ी भूल की थी। उनके पास अफगानिस्तान के बारे में अधिक जानकारी जुटाने तथा देश की स्थिति के बारे में थोड़ा और गहराई से जानने का अवसर था। लेकिन यह निर्णय बहुत ही जल्दबाजी में लिया गया और यहां तक कि फैसले के वक्त अफगानिस्तान में मौजूदा स्थिति के बारे में भी नहीं सोचा गया।

'विपक्षी दलों के गठबंधन का एजेंडा सनातन धर्म को खत्म करना'

ग्वालियर (मप्र)/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मंगलवार को कहा कि जिस सनातन धर्म को भारत से मुगल, अंग्रेज एवं पुर्तगाली शासक नहीं मिटा पाए, उसे मिटाने की बात विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) वाले कर रहे हैं।

सावंत ने कहा कि इसलिए इस विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का विरोध हर हिंदू को करना चाहिए और इस विपक्षी गठबंधन को इसकी जगह दिखानी चाहिए।

ग्वालियर में भाजपा की जन आर्शीवाद यात्रा में शामिल होने आए सावंत ने प्रेस वार्ता में कहा, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पुरानी बोतल में नई शराब जैसा है। केवल संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) का नाम बदला गया है और नाम बदलने से नीति व नीयत नहीं बदलती है। उन्होंने आरोप लगाया, इनका (विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का) एजेंडा सनातन हिंदू धर्म को खत्म करना है। इसका विरोध हिंदू धर्म मानने वाले हर व्यक्ति को करना चाहिए और इस गठबंधन को इनकी जगह दिखाई जानी चाहिए।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन की सनातम धर्म विरोधी टिप्पणी की ओर इशारा करते हुए सावंत ने कहा, जिसने भी सनातन धर्म नष्ट करने वाला बयान दिया है वह लिखित में इसे लेकर लाए थे और बयान ठीक उसी समय सामने आया, जब विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक मुंबई में हो रही थी। उन्होंने कहा, जिस सनातन धर्म को मुगल, अंग्रेज, डच व पुर्तगाली नहीं मिटा पाए, उसे मिटाने की बात कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' वाले कर रहे हैं। मुझे लगता है कि जल्दी ही लोग उन्हीं को खत्म कर देंगे।

स्कूप, करिश्मा तन्ना एशिया कंटेंट अवार्ड्स व ग्लोबल ओटीटी अवार्ड्स में शीर्ष पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली/भाषा

नेटफ्लिक्स के शो 'स्कूप' और इसकी प्रमुख अभिनेत्री करिश्मा तन्ना को एशिया कंटेंट अवार्ड्स और ग्लोबल ओटीटी अवार्ड्स 2023 के लिए नामित किया गया है। आयोजकों ने मंगलवार को इसकी घोषणा की।

आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, एशिया कंटेंट अवार्ड्स और ग्लोबल ओटीटी अवार्ड्स पूरे एशिया में टीवी, ओटीटी और ऑनलाइन मंचों के लिए उत्कृष्ट मनोरंजक सामग्री तैयार करने जैसी उपलब्धियों की सराहना के लिए एक वार्षिक कार्यक्रम है। इसका आयोजन बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और कोरिया रेडियो प्रोमोशन एसोसिएशन द्वारा किया जाता है।

'स्कूप' ने सर्वश्रेष्ठ एशियाई टीवी सीरीज वर्ग में अपनी जगह बनाई है। वहीं, तन्ना सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेत्री की ट्रॉफी के लिए मुकाबला कर रही हैं।

'स्कूप' सीरीज का निर्माण हंसल मेहता और मृणमयी लागू वाइकुल ने बनाया है, जिसे जून में नेटफ्लिक्स पर प्रसारित किया गया था। मेहता के निर्देशन में बने इस शो को समीक्षकों की खूब प्रशंसा मिली थी।

मेहता ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में टवीटर) पर एक पोस्ट में लिखा, नेटफ्लिक्स पर 'स्कूप' को एसीए और ग्लोबल ओटीटी अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ एशियाई सीरीज के लिए नामित किया गया है। वहीं सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए करिश्मा तन्ना मुकाबला करेंगी। यह पूरे दल के लिए सम्मान की बात है।

सर्वश्रेष्ठ एशियाई टीवी सीरीज श्रेणी में 'स्कूप' का मुकाबला कजाकिस्तान की 'द ब्लैक यार्ड, दक्षिण कोरिया की 'नॉट अदर्स, थाईलैंड की 'डिलीट' और ताइवान की 'ताइवान क्राइम स्टोरीज' से होगा।

तन्ना के अलावा, दक्षिण कोरिया की अभिनेत्री सॉन्ग हाय-क्यो को 'द ग्लोरी, हॉलीवुड की सल्डाना को 'स्पेशल ऑप्स: लायनेस, सिंगापुर की रेबेका लिम को 'थर्ड रेल' और मलेशियाई अभिनेत्री एमिली चान को 'द पेसेंट' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में नामित किया गया है।

सिंघम अगेन की तारीख बदलने के प्रयास में रोहित-अजय देवगन

मुंबई/एजेन्सी

अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2' की रिलीज डेट अनाउंस हो गई है। अल्लू अर्जुन की फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। जब से अल्लू अर्जुन की फिल्म की तारीख जारी हुई है, तभी से सिने गलियारों में यह कहा जा रहा था कि अब अजय देवगन और रोहित शेट्टी को अपनी फिल्म सिंघम अगेन की तारीख बदलनी पड़ेगी। गौरतलब है कि रोहित शेट्टी और अजय देवगन ने अपनी ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म की प्रदर्शन तिथि दो माह पूर्व ही घोषित कर दी थी। रोहित शेट्टी और उनकी टीम नहीं चाहती कि बॉक्स ऑफिस पर 'पुष्पा 2' और 'सिंघम अगेन' की टक्कर हो। दोनों फिल्में एक ही तारीख को हो रही है रिलीज फिल्म से जुड़े करीबी सोर्स का कहना है कि पुष्पा 2 और सिंघम का सीक्वल दोनों ही ब्लॉकबस्टर साबित होने का दम रखती हैं। अगर अल्लू अर्जुन की तरफ से एक फोन आ जाता तो ऐसी दिक्कत नहीं आती। मेकर्स के लिए टेंशन की बात यह है कि दोनों फिल्में एक ही तारीख यानी 15 अगस्त को रिलीज हो रही है, क्योंकि उस दिन बड़ा हॉलीडे है। जिस दिन फिल्म रिलीज हो रही है उस दिन गुरुवार पड़ रहा है, जिसके चलते उन्हें 4 दिन का वीकेंड मिल रहा है। ऐसे में मेकर्स इस तारीख को छोड़ना नहीं चाहते हैं। रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन की घोषणा पहले ही हो चुकी थी। अल्लू अर्जुन ने पुष्पा 2 बाद में अनाउंस की। अब बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट की मानें तो अजय देवगन ऐंड कंपनी इस बात से थोड़ा नाखुश है। अजय ईगो के चलते नहीं करेंगे नुकसान

फिल्म से जुड़े सोर्स ने बताया, न तो रोहित शेट्टी और न ही अजय देवगन इतने ईगो वाले हैं कि डेट न बदलें जबकि फिल्म का बिजनस प्रभावित हो सकता है। बेशक वे लोग अल्लू अर्जुन के फैसले से नाराज थे, क्योंकि अल्लू अर्जुन ने बिना सूचना दिए ऐसा कर दिया है। जबकि एक ऐसी फिल्म की डेट अनाउंस हो चुकी थी जो ब्लॉकबस्टर हो सकती है। लेकिन ये लोग पुष्पा की राह का रोड़ा नहीं बनना चाहते। पुष्पा को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते अजय

सोर्स ने बताया, पुष्पा और सिंघम दोनों हिंदी ब्लॉकबस्टर हो सकती हैं। उनके सेम डेट पर आने का कोई सेंस नहीं बनता। अजय और रोहित ने साथ मिलकर डेट आगे बढ़ाने का फैसला लिया है।

चुनाव रिश्वत केस

केरल की अदालत ने सख्त रुख अपनाया, सुरेंद्रन और अन्य को पेश होने को कहा

तिरुवनंतपुरम/**एजेन्सी**। केरल की एक अदालत ने मंगलवार को चुनावी रिश्वत मामले में आरोपी के रूप में नामित राज्य भाजपा अध्यक्ष के. सुरेंद्रन और अन्य के अदालत में पेश नहीं होने पर नाराजगी जताई।

सुरेंद्रन के अलावा पांच और स्थानीय बीजेपी नेताओं को भी आरोपी के तौर पर शामिल किया गया है। कासरगोड जिला और सत्र अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी को 21 सितंबर को पेश होने के लिए कहा है। कोर्ट का कहना है कि कोई भी अभी तक पेश नहीं हुआ है और यह स्वीकार्य नहीं है।

मामले की जांच कर रही क्राइम ब्रांच ने इसी साल जनवरी में अपनी चार्जशीट दाखिल की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला अप्रैल 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान मंजेश्वरम निर्वाचन क्षेत्र से एलडीएफ उम्मीदवार, माकपा नेता वीवी. रमेश द्वारा दायर याचिका पर आधारित है। जब वोटों की गिनती हुई, तो सुरेंद्रन कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ उम्मीदवार के करीब दूसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने 745 वोटों के अंतर से चुनाव जीता। याचिकाकर्ता ने भाजपा नेताओं की गिरफ्तारी की मांग की, जिन्होंने चुनाव के दौरान मंजेश्वरम से अपना नामांकन वापस लेने के लिए बसपा उम्मीदवार के. सुंदरा को कथित तौर पर पैसे, मोबाइल दिए और अन्य सुविधाएं देने का वादा किया। सुंदरा ने बाद में आरोप लगाया कि सुरेंद्रन के पक्ष में अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के लिए उन्हें पैसे और मोबाइल दिए गए थे। जांच पुलिस टीम ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें एससी/एसटी अधिनियम के अलावा अन्य आरोप भी शामिल हैं।

कोझिकोड में निपाह वायरस का अलर्ट'

तिरुवनंतपुरम/एजेन्सी

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज मंगलवार को कोझिकोड पहुंचीं, जहां कथित तौर पर निपाह वायरस से संक्रमित होने के बाद दो लोगों की मौत हो गई है। राज्य विधानसभा का सत्र चलने के बावजूद मंत्री कोझिकोड पहुंचे। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे मौतों के कारणों की जांच कर रहा है और नतीजों का इंतजार है। रिपोर्ट को संबोधित करते हुए, जॉर्ज ने कहा कि कोझिकोड वायरस के लिए अलर्ट पर है और सभी प्रोटोकॉल लागू हैं और आवश्यकता पड़ने पर लागू किए जाएंगे। उन्होंने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने से पहले कहा,हम पांच नमूनों के नतीजे आने का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि शुरुआत में जब कोई मौत हुई थी, तो इसे अन्य कारणों से हुई प्राकृतिक मौत के रूप में देखा गया था। लेकिन फिर जल्द ही मृत व्यक्ति के नौ वर्षीय बेटे को बुखार हो गया और एक अन्य को भी बुखार के कारण भर्ती कराया गया है। जब हिस्ट्री खंगाली गई तो अधिकारियों को कुछ संदेह हुआ।

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह मंगलवार को पटना में अक्षरा स्टूडियो के उद्घाटन समारोह के दौरान।

बेयॉन्से के रेनेसां कॉन्सर्ट में थिरकीं अभिनेत्री माधुरी दीक्षित

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेने हाल ही में बेयॉन्से के रेनेसां कॉन्सर्ट में शामिल हुईं। अभिनेत्री ने बेयॉन्से के प्रदर्शन पर थिरकते हुए अपनी कुछ तस्वीरें और एक वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा की। पहली तस्वीर में उनके पति के साथ एक सेल्फी है और उसके बाद कॉन्सर्ट से गायिका बेयॉन्से की एक झलक है। इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव साझा करते हुए माधुरी ने कैप्शन में लिखा, दुनिया को कौन चलाता है? लड़कियों। क्लीन बे हमारी यात्रा का मुख्य आकर्षण थी। हमारे साथ अपना जादू साझा करने के लिए बेयॉन्से को धन्यवाद, इसे संभव बनाने के लिए अंजलीरवाल को धन्यवाद।

जैसे ही माधुरी ने वीडियो साझा किया, प्रशंसकों ने तुरंत प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया। एक शख्स ने लिखा, 'यह बहुत मजेदार है कि उस स्टेडियम में मौजूद लोगों को पता ही नहीं था कि आप भारत में बेयॉन्से से भी बड़ी स्टार हैं। एक अन्य व्यक्ति ने टिप्पणी की, ओएमजी हां, एक स्टेडियम में दो आइकन। एक अन्य यूजर्स ने कहा, एक रानी, एक रानी को देख रही है, मुझे यह पसंद है। इससे पहले, माधुरी ने अपने दोनों बेटों के लिए एक भावनात्मक नोट साझा किया था क्योंकि वे उच्च अध्ययन के लिए घर छोड़ रहे थे। माधुरी दीक्षित ने अपने बेटों के साथ दो तस्वीरें साझा कीं। पहली छवि में, मां और बेटे पोज देते हुए अपनी मुस्कान बिखेर रहे हैं। बेयॉन्से के रेनेसां कॉन्सर्ट में अब तक कई मशहूर हस्तियां शामिल हो चुकी हैं। हॉलीवुड स्टार टिमोथी चालमेट और काइली जेनर को हाल में इस कार्यक्रम में पीडीए में शामिल होते देखा गया, इस कॉन्सर्ट में टॉम हॉलैंड और ज़ेंडाया भी शामिल हुए।

'मीत' में कलाबाजी करते नजर आएंगे अभिनेता आयुष आनंद

मुंबई/एजेन्सी

जी टीवी के शो 'मीत' में राज का किरदार निभा रहे अभिनेता आयुष आनंद आगामी एपिसोड में अपनी कलाबाजी कौशल से दर्शकों को प्रभावित करेंगे। हालांकि आयुष एक मार्शल आर्ट एक्सपर्ट और जिमनास्ट हैं, लेकिन इसे स्क्रीन पर प्रदर्शित करना उनके लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि उन्हें हार्नेस से उल्टा बांध दिया गया था और उन्हें छह इंच के तख्ते के ऊपर अपने हाथों पर चलना था। मीत हुडा की कहानी के इर्द-गिर्द घूमती हुई एक मजबूत महिला जो लैंगिक भूमिकाओं के सामाजिक मानदंडों पर सवाल उठाती है और साबित करती है कि ऐसा कोई काम या जिम्मेदारी नहीं है जो एक महिला नहीं ले सकती है, जिसने दर्शकों को कई मोड़ों के माध्यम से अपनी सीटों से बांधे रखा है। 16 साल की छलांग के बाद दर्शक मीत की बेटी – सुमीत

(आशी सिंह) की कहानी से आकर्षित हो गए हैं, जो अपनी मृत मां के नाम को बरकरार रखने की कोशिश कर रही है। जहां यह शो कुछ दिलचस्प स्टोरी के माध्यम से अपने दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है, वहीं दर्शकों को कुछ हाई-एंड ड्रामा भी देखने को मिल रहा है, क्योंकि शगुन (आम्रपाली गुप्ता) सुमीत और उसके परिवार को लगातार चुनौतियां दे रही है, ताकि श्लोक इससे मुक्त हो सके। उसी के बारे में बात करते हुए आयुष ने कहा, मैं अपना पहला कलाबाजी स्टंट सीक्वेंस करने के लिए रोमांचित था, भले ही हम चिलचिलाती गर्मी में बाहर शूटिंग कर रहे थे। हार्नेस और 6 इंच के तख़्ते के साथ यह एक चुनौतीपूर्ण था, लेकिन यह एक आनंददायक अनुभव था। उन्होंने आगे कहा, मेरी जिमनास्टिक कक्षाओं की तुलना में उल्टा चलना कहीं अधिक कठिन था, लेकिन मेरी व्यक्तिगत फिटनेस दिनचर्या ने मुझे तैयार किया। यह पार्क में टहलना नहीं था, लेकिन बुनियादी बातें जानने से मुझे इसे करने में मदद मिली। हमारे निर्देशक ने सुरक्षा को प्राथमिकता दी और स्टंट के दौरान लगातार मेरी जांच की। सारी मेहनत वास्तव में सफल रही।'' जहां आयुष शो में अपना पहला स्टंट सीन करने के बाद बहुत उत्साहित हैं, वहीं दर्शकों के लिए यह देखना दिलचस्प होगा कि सुमीत शगुन द्वारा दी गई सभी चुनौतियों को कैसे पार करते हैं ताकि वह दुनिया को बता सके कि श्लोक ही असली 'वंडर बॉय' है। 'मीत' जी टीवी पर प्रसारित होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | बुधवार | 13-09-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

देश की सॉफ्टवेर राजधानी बेंगलूरु के हिंदी रचनाकारों की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' ने वर्ष 2023 के लिए 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' तथा 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' के विजेताओं की घोषणा कर दी है ।

तीर्थ और पर्व दोनों आत्मविकास हेतु श्रेष्ठ आलंबन हैं : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने पर्युषण के प्रथम दिन 5 कर्तव्य बताते हुए कहा कि अमारी प्रवर्तन, साधर्मिक वात्सल्य, पारस्परिक क्षमापना,अट्ठमतप, चैत्य परिपाटी ये पांच कर्तव्य करने चाहिए। साध्वी शीतलगुणाश्री जी ने कहा कि तीर्थों का राजा शत्रुंजय महातीर्थ है तो पर्वों का राजा पर्युषण महापर्व है। तीर्थों की यात्रा के लिए हमें घर छोड़कर जाना पड़ता है, जबकि पर्व स्वयं ही हमारे द्वार पर दस्तक देने आ जाते हैं। तीर्थ और पर्व दोनों आत्मविकास हेतु श्रेष्ठ आलंबन हैं। आत्मा को भवसागर से पार उतारे उसे तीर्थ कहते हैं तो आत्मा को जो पावन करे उसे पर्व कहते हैं। तीर्थ का संबंध क्षेत्र से है तो पर्व का संबंध काल से है।

तीर्थक्षेत्र में व्यक्ति अपने बाह्य संसार से मुक्त होकर प्रभु के साथ तन्मय बनता है तो पर्व के दिनों में भी सांसारिक प्रवृत्ति को छोड़ आराधक आत्मा तप-जप में जुड़ती है। जब भी पर्वाधिराज के दिन आते हैं वे दिन हमारी आत्मा को टटोलते हैं। मोह-माया से मलिन बनी आत्मा इन दिनों में आराधना-साधना द्वारा उज्ज्वल बनती है। चातुर्मास के पवित्र दिनों में जहाँ भी गुरु भगवंतों का योग होता है वहाँ उस संघ में प्रवचन की गंगा बहती है, जिसमें स्नान कर अनेक आत्माएँ पावन बनती हैं। मांगीलाल वेदमुथा ने बताया कि आरती का लाभ बाबुलाल सवाणी ने लिया। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष मेघराज भंसाली, धीरज भंडारी, नेमीचंद वेदमुथा, हेमराज मोदी, कांतिलाल गांधीमुथा, चंपालाल बंदामुथा, दिलीप कांकरिया, जयंतीलाल पटियात, रमेश पालगोता, चंपालाल गादिया, प्रवीण वाणीगोता, गुलाबचंद वाणीगोता, शांतिलाल जैन, कांतिलाल मेहता आदि उपस्थित रहे।

'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' हृषीकेश सुलभ को और 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' शांता बाई को

आगामी 10 दिसंबर को बेंगलूरु में भव्य समारोह में होंगे सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश की सॉफ्टवेर राजधानी बेंगलूरु के हिंदी रचनाकारों की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' ने वर्ष 2023 के लिए 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' तथा 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' के विजेताओं की घोषणा कर दी है । एक लाख रुपए का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' हिंदी के मूर्धन्य कथाकार हृषीकेश सुलभ को उनके उपन्यास 'दाता पीर' के लिए तथा इक्कीस हजार रुपए का 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' कर्मठ हिंदी सेवी एवं कर्नाटक महिला हिंदी सेवा समिति की प्रमुख, वयोवृद्ध सुश्री शांता बाई को दक्षिण भारत में हिंदी भाषा एवं साहित्य संवर्द्धन में उल्लेखनीय अवदान के लिए दिया जाएगा। यह घोषणा करते हुए 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दोनों पुरस्कार विजेताओं को आगामी 10 दिसंबर को बेंगलूरु में आयोजित एक सारस्वत समारोह में पुरस्कार राशि के साथ पारंपरिक मैसूर पेटा, स्मृति चिह्न और अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार इन पुरस्कारों का निर्णय हिंदी भाषा और साहित्य के सर्जक विद्वानों की पाँच सदस्यीय मूल्यांकन समिति की संस्तुति के आधार पर निर्णायक मंडल ने सर्वसम्मति से किया। निर्णायक मंडल ने 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' के लिए अपनी संस्तुति में कहा है कि हृषीकेश सुलभ समकालीन हिंदी कथा साहित्य में सामाजिक यथार्थ एवं विडंबना के मर्मस्पर्शी चितेरे हैं। उनका 'दाता पीर' भाषा में देशज ठाठ रचते हुए मुस्लिम जीवन के राग-विराग और अनछुए पहलुओं के रूपायन के द्वारा हिंदी साहित्य के कथा-परिसर को

कथाकार हृषीकेश सुलभ

हिंदीसेवी सुश्री शांताबाई

समृद्ध करता उपन्यास है। 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' के लिए कर्नाटक महिला हिंदी सेवा समिति की यशस्वी प्रमुख, वयोवृद्ध सुश्री शांता बाई के नाम की संस्तुति में निर्णायक मंडल ने कहा है कि सुश्री शांता बाई ने आजीवन कर्नाटक के युवक-युवतियों के मन और मस्तिष्क में हिंदी भाषा के प्रति अनुराग की जो लौ जलायी, उसकी रोशनी पूरे दक्षिण भारत में फैली है। उन्होंने अपने आचरण और व्यवहार से कन्नड़-हिंदी-मैत्री के विकास और संवर्द्धन के जरिए राष्ट्र की भाव धारा को सशक्त करने का अन्यतम कार्य किया है। डॉ समीर ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' बेंगलूरु के प्रसिद्ध समाजसेवी और अज्ञेय साहित्य के मर्मज्ञ बाबूलाल गुप्ता के फाउंडेशन के सौजन्य से दिया जाता है। इसी तरह 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' बेंगलूरु और चेन्नई से प्रकाशित प्रमुख हिंदी समाचार पत्र समूह 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के सौजन्य से प्रदान किया जाता है। विज्ञप्ति के अनुसार उक्त पुरस्कारों के लिए कुल 53 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं।इनका मूल्यांकन प्रख्यात पत्रकार ओम थानवी की सदारत में लेखक डॉ भंवर सिंह शक्तावत, अनुवाद मर्मज्ञ ईश्वर चंद्र मिश्र एवं लेखिका रमिता सिंह की मूल्यांकन समिति ने किया।

समिति की सिफारिश पर समग्रता में विचार करते हुए पाँच सदस्यीय निर्णायक मंडल ने पुरस्कार विजेताओं के नाम पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया। निर्णायक मंडल में बाबूलाल गुप्ता, श्रीकांत पाराशर, नलिनी पोपट, डॉ उषारानी राव और डॉ श्रीनारायण समीर शामिल हैं। डॉ समीर मूल्यांकन समिति और निर्णायक मंडल दोनों के संयोजक हैं।

मजबूत मनोबल व सेवा प्रवृत्ति वाले इंसान थे धर्मेन्द्र मरलेचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जाने माने समाजसेवी व उद्योगपति धर्मेन्द्र मरलेचा का निधन 12 सितम्बर को सुबह 4.30 बजे हो गया था। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को विल्सन गार्डन विद्युत शवदाहगृह में किया गया। 55 वर्षीय धर्मेन्द्र मरलेचा 'मुन्ना' के नाम से पहचाने जाते थे। धार्मिक प्रवृत्ति के सेवाभावी स्व. मरलेचा एक सच्चे गुरुभक्त थे। उनकी उनके गुरु उपाध्यायश्री केवलमुनिजी के प्रति गहरी श्रद्धा थी। इसके अलावा प्रति अमावस्या को वे केवलमुनि धाम दौड्डनिकुंदी जाकर केवल जाप व ध्यान तथा अन्नदान करते थे। धर्मेन्द्र बेंगलूरु के केवलमुनि ट्रस्ट के मंत्री पद व इन्द्रभूति जीवदया ट्रस्ट के चेयरमैन पद पर आसीन थे। अशोकनगर शूले निवासी धर्मेन्द्र मरलेचा एक कुशल उद्यमी थे। अपने भाई राजेन्द्र मरलेचा के साथ उनकी कर्नाटक प्लास्टू इंडस्ट्री के नाम से प्लास्टिक बॉक्स बनाने के फैक्टरी है। कैंसर जैसी भयावह बीमारी से ग्रस्त होकर भी मजबूत मनोबल व दृढ़ निश्चय के साथ साथ अपनी स्वयं की देखभाल करते हुए धर्मेन्द्र मरलेचा ने बहुत हद तक इस बीमारी को हरा दिया था।

बहुत ही मिलनसार स्वभाव के हंसमुख प्रवृत्ति के धर्मेन्द्र मरलेचा हमेशा दूसरों की मदद करने में विश्वास करते थे। वह नाम में नहीं अपितु निस्वार्थ सेवा में विश्वास करते थे। उनके पास कोई भी कोई आस लेकर जाता था, वे कभी भी उसे निराश नहीं लौटाते थे। धर्मेन्द्र मरलेचा शहर की अनेक धार्मिक, सामाजिक, हेल्थकेयर व शैक्षणिक संस्थाओं से सक्रिय रुप से जुड़े हुए थे। स्व. मरलेचा जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक के प्रांतीय व युवा अध्यक्ष पद पर अपनी सेवाएं दे चुके थे। राजस्थान के गोदाजी का गांव के मूल निवासी धर्मेन्द्र अपने गांव में मरलेचा परिवार द्वारा निर्मित हजारीमल मुल्तानमल स्कूल की देखरेख करते थे।

अम्बा माता के परम भक्त होने के कारण उन्होंने गत वर्ष में 300 तीर्थ यात्रियों वाला हुमचा पद्मावती तीर्थ यात्रा संघ का भी आयोजन किया था। बुधवार को उनका उठावणा सुबह 11.30 बजे गणेश बाग स्थानक में रखा गया है। धर्मेन्द्र मरलेचा अपने पीछे धर्मपत्नी मंजूदेवी, पुत्रद्वय मोहित, श्रेयांस सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

आत्मकल्याण करने का सुनहरा अवसर देता है पर्युषण पर्व : डॉ प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने कहा कि जैसे जल में गंगाजल, पर्वतों में सुमेरु पर्वत श्रेष्ठ है वैसे पर्वों में पर्युषण पर्व श्रेष्ठ है।यह पर्व मोह निंदा से जगाने के लिए एवं आत्मा को पवित्र पावन कर आत्मा को परमात्मा की ओर बढ़ने के लिए आया है। इस पर्व पर हमें भूतकाल का अवलोकन, भविष्य का अभिनंदन एवं वर्तमान काल का मूल्यांकन करना है। यह पर्व हमें आत्मा का लेखा-जोखा करके किए हुए अतिक्रमण का प्रतिक्रमण करते हुए अपने कर्तव्य को निभाने का संकल्प करता है। गुरुवर्या ने इस पर्व का स्वागत तप से करके इन आठ दिनों में अट्ठम एवं अठाई तप की प्रेरणा दी। जिनवाणी कड़वी दवाई की तरह शायद कई लोगों प्रिय नहीं लगे परंतु निरंतर श्रवण करने से उसका जरूर कल्याण होता है। इन आठ दिनों में साधार्मिक भक्ति का लाभ लेते हुए यथाशक्ति नियम लेना चाहिए और नियमों का दृढ़ता पूर्वक पालन करना चाहिए। साध्वी मल्लीश्रीजी ने पर्युषण पर्व पर अपने भाव रखें।

साध्वी ऋषिताश्रीजी ने क़हा कि चाहे कैसी परिस्थिती हो हमें अपने मनोस्थिति सही रखनी चाहिए। हर व्यक्ति परमात्मा को सिर्फ अपनी तकलीफ सुनना आता है अगर हम अपनी मनोस्थिति को सही रखें उन तकलीफों में भी समभाव रखे तो वह तकलीफ हमें तकलीफ नहीं लगेगी । हमें कृष्ण महाराज से प्रेरणा लेते हुए हर परिस्थिति में भी गुणों को ग्रहण करना है। यह पर्व आत्माकल्याण करने का सुनहरा अवसर लेकर आया है हमें अधिक से अधिक धर्म साधना करके आत्मा को पवित्र पावन करना है। साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

मैत्री भाव को प्रवाहित करने वाला होता है पर्युषण पर्व : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने प्रवचन में कहा कि हम ऋणी और आभारी है तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के, जिन्होंने पर्युषण महापर्व आराधना कर आत्मकल्याण अवसर दिया। पर्युषण पर्व की आराधना से सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक कर्म क्षय होता है। इसका कारण यह है कि इन दिनों में सकल संघ में पाप पाप प्रवृत्तियों एकदम के कम होने से पुण्य सर्जक आराधनाओं संलग होने से एक अलग तरह का उत्साह आता है। इसी कारण से इन दिनों होती पाप परिहार की पूर्वक की साधना प्रतिक्रमण पूर्ण होती है। ऐसा माहौल और उत्साह अन्य दिनों या अन्य पर्व में नहीं होता। इस कारण से पर्युषण पर्व की अत्याधिक महत्ता है। पर्युषण पर्वाधिराज इसलिए है कि आठ दिनों के पर्व में प्रतिक्रमण-पूजा- पंचकवाण-प्रायचित्त से हृदय को स्वच्छ और स्वस्थ बनाकर भगवान को उसमें बिठाते है। साधना के पथ में शिथिल हो रहे उत्साह के अश्व को पुनः गतिमान बनाने वाले ईशारे के जैसा ये पर्युषण है। पर्युषण पर्व यानी संसार में व्याप्त जीवों के प्रति मैत्री आदि भावों को प्रवाहित करने के दिन है।

पर्युषण पर्व के अमारी प्रवर्तन नामक कर्तव्य के पालन से की बाघ के जन्म में पुष्ट की हुई हिंसकता दूर होती है। साधर्मिक भक्ति नामक दूसरे कर्तव्य के परिपालन से कुत्ते के जन्म में पुष्ट की साधर्मिकों के प्राप्ति ईर्ष्या- निंदा की वासनाएं नष्ट होती है। क्षमापना कर्तव्य के पालन से सर्प नेवला के जन्म से चली आ रही वैर-विद्वेष का सिलसिला खत्म होता है। अठम तप के कर्तव्य पालन से बकरी के जन्म में पुष्ट की आहार संज्ञा पर जय होती है और चैत्यपरिपारी के पालन से आत्मतत्व को शुद्ध करने की साधना का उत्साह बनता है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मागड़ी रोड पर केंपेगौड़ा अभिवृद्धि समिति द्वारा नाडप्रभु केंपेगौड़ा के 514वें जयंती उत्सव के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेन्द्र मुणोत ने केम्पेगौड़ा के योगदानों को याद करते हुए उनके गुणों का स्मरण किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष कृष्णापा आदि ने मुणोत का सम्मान किया।

जैन शासन में संघ का सर्वोपरि महत्व है : पन्यास भक्तिरत्नविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित पन्यासश्री भक्तिरत्नविजयजी, मुनिश्री भाग्यचंद्रविजयजी व बालमुनिश्री भक्तिदर्शनजी ने पर्युषण पर्व की आराधना विषय पर प्रवचन में कहा कि पर्युषण में श्रावक के वार्षिक कर्तव्य होते है। जैन समूह का शासन में संघ का सर्वोपरि महत्व है। भगवान की आज्ञा में विचरण करने वाले साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका को संघ की संज्ञा दी गई है। पर्युषण पर्व के दूसरे दिन श्रावक के वार्षिक कर्तव्यों का वर्णन करते हुए संघ पूजा नामक प्रथम कर्तव्य का वर्णन करते हुए कहा कि यहाँ यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि जैन संघ में पुरुषों की तरह स्त्रियों को भी धार्मिक क्षेत्र में समानाधिकार दिया गया है।

इसी कारण चतुर्विध संघ में दो पद/अंग पुरुषों के और दो पद स्त्रियों के ये चारों ही तीर्थरूप माने गए हैं, इसलिए साध्वी और श्राविका संघ की उपेक्षा न करते हुए उनका भी सम्मान करना चाहिए। जैन संघ में लिंग या उम्र का महत्व नहीं है। यहाँ गुणों को महत्व दिया गया है। पन्यासश्री ने संघ पूजा का विशेष महत्व बताते हुए कहा कि प्रत्येक तीर्थंकर पूर्व के तीसरे भव में तीर्थंकर बनने में निमित्त जो साधना की वो संघ/ तीर्थ के सहारे से ही करते हैं।

संघ तो तीर्थंकर आदि रत्नों की खान है। पाट पर बैठकर जैसे साधु को बोलने में विवेक रखना चाहिए वैसे संघ की जाजम पर बैठे प्रत्येक जैन को यह याद रखना चाहिए कि जिस जाजम पर बैठकर पूर्व के महान पुरुषों ने जिनशासन की महान प्रभावना का काम किया, मैं उस जाजम पर बैठा हूँ अतः मुझे गलत बातें नहीं करनी चाहिए। व्यक्तिगत किसी भी राग-द्वेष के कारण संघ के किसी कार्य में बाधक नहीं बनना चाहिए। संघ के कार्य में बाधक बनने से संघ आशातना का महापाप लगता है।

आत्मशुद्धि का महापर्व यानी पर्युषण महापर्व : मुनि राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि आत्मशुद्धि का महापर्व यानी पर्युषण महापर्व। पर्युषण पर्व के बारे में समझाते हुए कहा कि ऐसे तो पूरे साल के अंदर पूरे वर्ष में अनेक पर्व आते हैं, अनेक त्यौहार आते हैं लेकिन पर्युषण पर्व का बहुत बड़ा महत्व है। आचार्यश्री लक्ष्मीसूरीश्वरजी महाराज ने पर्युषण महापर्व में करने योग्य पांच कर्तव्य बताए है। सबसे पहला कर्तव्य है अमारी प्रवर्तक यानी किसी भी जीव की हिंसा नहीं करना, किसी भी जीव को मारना नहीं। जिस प्रकार से हमको जीना अच्छा लगता है, उसी प्रकार से वह जीव के अंदर भी प्राण होते हैं जिस प्रकार हमारे शरीर में प्राण होते हैं वैसे ही उनके अंदर भी प्राण रहते हैं इसलिए अहिंसा का पालन करना जीवो की रक्षा करना जीव दया के पालन करना। मुनिश्री अकबर व कुमारपाल राजा की जीवदया पालन की बात बताई। दूसरे साधर्मिक यानी जो मैं धर्म करता हूं वह वो भी धर्म करते हैं उसके भक्ति करना। तीसरे क्षमापना,चौथा अट्ठम तप और पांचवें नंबर के अंदर चित्य परिपाटी आता है।मुनिश्री ने कहा कि जैन धर्म में सबसे पहले तीर्थाधिराज, दूसरे नंबर में मंत्राधिराज और तीसरे नंबर के अंदर पर्वाधिराज पर्युषण पर्व आता है। हमें तीर्थ के पास में जाना पड़ता है आत्मा को पवित्र बनाने के लिए आत्मा को शुद्ध करने के लिए तीर्थ के पास में जाना पड़ता है लेकिन जो पर्व रहते हैं वह हमारे द्वार पर आते है। पर्व अपने समय पर अपने टाइम पर आते हैं उनको बुलाने की जरूरत नहीं पड़ती। पर्व में हमें अपनी आत्मा को पवित्र और शुद्ध बनाना है। जो आत्मा के अंदर अनादि अनंत काल से आवरण लगा हुआ है पापों का आवरण कर्मों का आवरण हैं, उसको दूर करने के लिए अनेक प्रकार की आराधना, प्रतिक्रमण, पूजा आदि करना चाहिए।

'पूर्ण आत्मशुद्धि का प्रेरक महापर्व है पर्युषण'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर तेरापंथ सभा के तत्वावधान में अर्हम भवन के 'महाप्रज्ञ सभागार' में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में जैन धर्म के मुख्य पर्व पर्वाधिराज पर्युषण का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। इस मौके पर मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि पर्युषण पूर्ण रूप से आत्मशुद्धि का प्रेरक, उत्प्रेरक महापर्व है। यह अलौकिक पर्व है। इस पर्व की हवा मात्र से लोगो में आत्मसंस्कार जाग उठते है। पर्युषण जैनों का एकमात्र विशिष्टतम पर्व है। पर्युषण पर्व के साथ किसी भी तीर्थंकर की जन्म तिथि या निर्वाण तिथि का सम्बन्ध नहीं है। जैन धर्म के सिद्धांतो-आदर्शो में व्यक्ति पूजा का स्थान नहीं है। पर्युषण पर्व की पृष्ठभूमि में मानवता, संयम और अनुशासन की प्रतिष्ठा का प्रसंग छिपा हुआ है। मुनिश्री ने खाद्य संयम दिवस पर विचार रखते हुए कहा कि भोजन हल्का, सुपाच्य, सीमित मात्रा में खाएं और गरिष्ठ भोजन से यथासंभव परहेज करे। जैसा हम खाना खाते हैं वैसा ही हमारा न्यूरोट्रांसमीटर बनता है। न्यूरोट्रांसमीटर के अनुरूप व्यवहार बनता और बिगड़ता है। मुनिश्री ने कहा कि आज खान पान की अशुद्धि चिंताजनक स्तर पर है, होटल और बोटल की नई संस्कृति ने स्वास्थ्य और सत्संस्कारों पर बड़ा प्रहार किया है। मुनिश्री काव्य कुमारजी ने कहा कि पर्युषण आध्यात्मिक पर्व है। परमात्मा तक पहुंचने का पर्व है, अपने अस्तित्व की यात्रा करने का पर्व है। पर्युषण कार्यक्रम अध्यात्म से ओत: प्रोत होते हैं। इस बार मुझे अपनी कर्म भूमि में पर्युषण मनाने का अवसर पूज्य गुरुदेव ने प्रदान किया है।

खाद्य संयम दिवस पर भी मुनि श्री ने विचार रखे। कार्यक्रम का प्रारंभ विजयनगर महिला मंडल के मंगलाचरण से हुआ।

तेरापंथी सभा के अध्यक्ष प्रकाश गांधी ने स्वागत वक्तव्य दिया। तेरापंथ युवक परिषद् मंत्री कमलेश चोपड़ा ने सूचनाएं दी।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com